ISSUE : 15
JAN-MARCH
2019

आपदा
राहत बचाव

Newsletter पुनर्नवा

...bouncing back to life again and again...

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार

द्वितीय तल, पंत भवन, बेली रोड, पटना-800 001 फोन : +91(612) 2522032, फैक्स : +91(612) 2532311 Visit us: www.bsdma.org, E-mail : info@bsdma.org

पेज-03

पेज-05

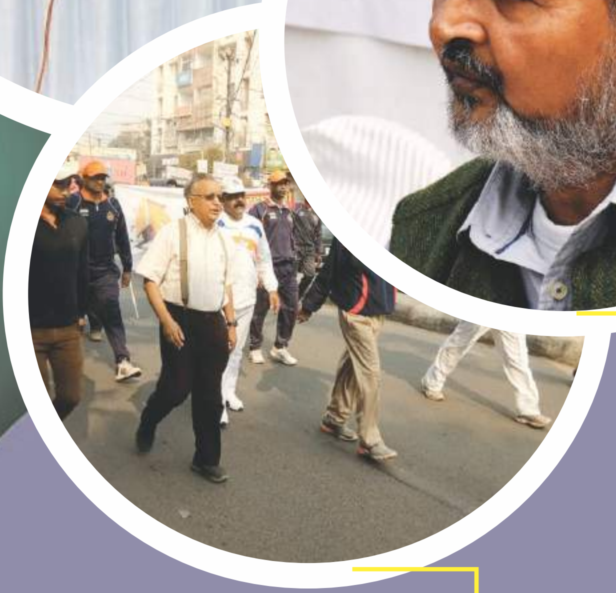

पेज-08

विषय सूची

भूकम्प सुरक्षा पर मॉक ड्रिल का आयोजन

पेज-03

पटना वीमेन्स कॉलेज में भूकम्म सुरक्षा पर मॉक ड्रिल

पेज-05

पटना में भूकम्प सुरक्षा जागरूकता पर पैदल रैली का आयोजन

बिहार भूकम्प सुरक्षा सप्ताह 2019 – 15 से 21 जनवरी

पेज-08

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह-2019

पेज-13

30 वां सड़क सुरक्षा सप्ताह

पेज-23

संपादन परामर्शी : श्री व्यास जी, भा. प्र. से (से. नि.), डॉ यू. के मिश्र, भा. ई. से (से. नि.) सदस्य, श्री पी. एन. राय, भा. पु. से (से. नि.) सदस्य

प्रधान संपादक : श्री एस. बी. तीवारी, **वरीय संपादक** : मोनीषा दूबे

ई-मेल : info@bsdma.org बेवसाईट : www,bsdma.org सोशल मीडिया : www,facebook.com/bsdma ट्वीटर : bsdma.bihar (SDMA.Bihar)

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह -2019

(15–21 जनवरी)

भूकम्प सुरक्षा पर मॉक ड्रिल का आयोजन

भूकम्प सुरक्षा पर आधारित इस मॉकड्रिल का सफल आयोजन 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० की टीम के देखरेख में किया गया। इसमें एन०एम०सी०एच० पटना के स्टाफ व मेडिकल छात्रों के साथ-साथ 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ०, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, अग्निशमन सेवा तथा होम गार्ड की टीमों ने भाग लिया।

15 जनवरी से 21 जनवरी तक बिहार राज्य में मनाये जा रहे भूकम्प सुरक्षा सप्ताह के दौरान (18 जनवरी को) 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से नालन्दा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल , पटना में भूकम्प सुरक्षा पर मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ० उदय कान्त मिश्रा, सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री पी० एन० राय, सदस्य, बी०एस०डी०एम०ए०, श्री रवि कान्त, द्वितीय कमान अधिकारी, 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ०, डॉ० चंद्रशेखर, सुपरिटेंडेंट, एन०एम०सी०एच० पटना तथा अन्य विशिष्ट लोग मौजूद थे।

भूकम्प सुरक्षा पर आधारित इस मॉकड्रिल का सफल आयोजन 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० की टीम की देखरेख में किया गया। इस मॉकड्रिल

एन०डी०आर०एफ० द्वारा के इस मॉकड्रिल के सफल आयोजन से पहले एन०एम०सी०एच० के स्टाफ व छात्रों को 03 दिनों का प्रशिक्षण दिया गया। अस्पताल की रेस्पांस टीमों का गठन किया गया। भूकम्प आने पर अपनाये जाने वाले सुरक्षात्मक पहलूओं तथा रेस्पांस मैकेनिज्म को भी बताया गया तथा इसका अभ्यास करवाया गया।

रेस्पांस में एन०एम०सी०एच० पटना के स्टाफ व मेडिकल छात्रों के साथ–साथ 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ०, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, अग्निशमन सेवा तथा होम गार्ड की टीमों ने भी बढ़–चढ़कर भाग लिया।

एन०एम०सी०एच० परिसर में 11:45 बजे अचानक सायरन बजने लगा जो कि इस बात का सूचक था कि भूकम्प आ चुका है। तुरन्त, अस्पताल के अलग–अलग वार्डों में मौजूद सभी लोगों ने ''झुको'', ''ढको'' व ''पकड़ो'' ड्रिल अपनाया। फिर अस्पताल के आपातकालीन निकासी दल द्वारा सभी लोगों को तरतीबवार असेम्बली एरिया में एकत्रित किया गया। फिर उनकी गिनती की गई। इसके बाद अस्पताल में गठित की गई खोज व बचाव टीमों ने अलग–अलग वार्डों में फँसे घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों को प्राथमिक उपचार देकर उन्हें बेहतर चिकित्सा के लिए सुरक्षित वार्ड तथा अन्य अस्पतालों में तुरन्त भेजा गया।

इस मॉकड्रिल के दौरान 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० की टीम ने भी अपनी व्यावसायिक कार्यकुशलता का परिचय देते हुए घायलों को बाहर निकाला तथा उन्हें दूसरे वार्डों में आपातकालीन शिफ्ट करने का अभ्यास किया।

श्री पी० एन० राय, सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इस मौके पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपदा से नुकसान न हो इसके लिए जरूरी है कि हम उस आपदा से निपटने के लिए पहले से ही तैयार रहे। इसके लिए प्रशिक्षण तथा मॉकड्रिल का आयोजन नियमित रूप से किया जाना चाहिए।

डॉ० उदय कान्त मिश्रा, सदस्य, बी०एस०डी०एम०ए० ने कहा कि भूकम्प जैसी आपदा

से निपटने के लिए अस्पताल को विशेष रूप से तैयार होना चाहिए क्योंकि इस तरह की आपदा आने के बाद शहर के अन्य इलाकों से भी घायल लोग अस्पताल पहुंचेंगे। तैयारी इस स्तर की होनी चाहिए जिससे कि अस्पताल अपने लोगों को सुरक्षित बचाकर अन्य जरुरतमंद लोगों को भी चिकित्सीय सुबिधा मुहैया कराने के लिए सदैव तत्पर, तैयार व सक्षम हो।

श्री रवि कान्त, द्वितीय कमान अधिकारी ने बताया कि 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा के इस मॉक ड्रिल के सफल आयोजन से पहले एन०एम०सी०एच० के स्टाफ व छात्रों को 03 दिनों का प्रशिक्षण दिया गया। अस्पताल की रेस्पांस टीमों का गठन किया गया।

भूकम्प आने पर अपनाये जाने वाले सुरक्षात्मक पहलूओं तथा रेस्पांस मैकेनिज्म को भी बताया गया तथा अस्पताल की रेस्पांस टीमों द्वारा इसका अभ्यास करवाया गया। उन्होंने आगे कहा कि आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा लगातार बिहार तथा झारखण्ड राज्यों में इस प्रकार के मॉकड्रिल तथा जागरूकता प्रोग्राम चलाये जा रहे है।

इस मॉकड्रिल के सफल आयेजन में एन०डी०आर०एफ० के श्री कुमार बालचन्द्र, उप कमान्डेंट, श्री हरिचरण प्रसाद, उप कमान्डेंट, निरीक्षक राजेश कुमार, अजीत कुमार सिंह तथा राकेश कुमार ने सराहनीय भूमिका निभाया। डॉ० चंद्रशेखर, सुपरिटेंडेंट एन०एम०सी०एच० पटना ने भूकम्प सुरक्षा पर आधारित इस मॉकड्रिल के सफल आयोजन पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० की सराहना की तथा धन्यवाद दिया।

पटना वीमेन्स कॉलेज में भूकम्प सुरक्षा पर मॉक ड्रिल

खोज व बचाव टीम द्वारा साइन्स ब्लॉक भवन में फँसी 04 घायल छात्राओं को सुरक्षित निकाला गया। कॉलेज की प्राथमिक उपचार टीम द्वारा घायल छात्राओं को अस्पताल पूर्व चिकित्सा मुहैया कराकर उन्हें तुरन्त एम्बुलेंस की मदद से गार्डिनर अस्पताल, पटना भेजा गया।

9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से पटना वीमेन्स कॉलेज में भूकम्प सुरक्षा पर मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस मौके पर श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री कुमार बालचन्द्र, उप कमान्डेंट, 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ०, डॉ० सिस्टर मारिया रश्मि, प्राचार्या पटना वोमेन्स कॉलेज तथा अन्य विशिष्ट लोग मौजूद थे।

भूकम्प सुरक्षा पर आधारित इस मॉकड्रिल में पटना वीमेन्स कॉलेज के 3,000 से अधिक छात्राओं, शिक्षकों व कॉलेज स्टाफों ने उत्साह के साथ बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस मॉकड्रिल में 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ०, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस तथा अग्निशमन सेवा की टीमों ने भी भाग लिया तथा इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पटना वीमेन्स कॉलेज परिसर में आज 1215 बजे अचानक सायरन बजने लगा जो कि इस बात का सूचक था कि भूकम्प आ चुका है। तुरन्त, कॉलेज के अलग–अलग कक्षाओं में मौजूद छात्राओं तथा शिक्षक–शिक्षिकाओं ने ''झुको'', ''ढको'' व ''पकड़ो'' ड्रिल अपनाया। फिर कॉलेज के आपातकालीन निकासी दल द्वारा सभी छात्राओं को तरतीबवार असेम्बली एरिया में एकत्रित किया गया। इसके बाद

उनकी गिनती की गई। तत्पश्चात कॉलेज में गठित की गई खोज व बचाव टीम द्वारा साइन्स ब्लॉक भवन में फँसी 04 घायल छात्राओं को सुरक्षित निकाला गया। कॉलेज की प्राथमिक उपचार टीम द्वारा घायल छात्राओं को अस्पताल पूर्व चिकित्सा मुहैया कराकर उन्हें तुरन्त एम्बुलेंस की मदद से गार्डिनर अस्पताल, पटना भेजा गया। इस मॉकड्रिल के दौरान एन०डी०आर०एफ० की टीम साइन्स ब्लॉक में बुरी तरह फँसे घायलों को रोप रेसक्यू टेकनीक से सुरक्षित निकाला। इस मॉकड्रिल में कॉलेज आपदा प्रबंधन प्लान के तहत गठित रेस्पांस टीमें– आपदा प्रबंधन समिति, आपातकालीन अलार्म टीम, निकासी दल, खोज व बचाव टीम, प्राथमिक उपचार टीम, फायर फाइटिंग टीम, साइट सिक्योरिटी टीम तथा ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट समिति ने सिस्टर तनीषा, उप–प्राचार्या के निर्देश पर कुशल समन्वय के साथ अपने भूमिका को निभाया। श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इस मौके पर उपस्थित छात्राओं एवं कॉलेज स्टॉफ को सम्बोधित करते हुए कहा कि भूकम्प जैसी आपदा में नुकसान न हो इसके लिए जरूरी है कि इस प्रकार के मॉकड्रिल का आयोजन नियमित किया जाना चाहिए। आगे उन्होंने बताया कि भूकम्प का अभी तक कोई पूर्वानुमान संभव नहीं हो सका है। भूकम्प से तैयारी व जागरूकता ही बचाव है। भूकम्प आपदा आने पर घबड़ाये नहीं बल्कि सूझबूझ के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाये। भूकम्प से कोई नहीं मरता है बल्कि कमजोर भवनों के गिरने से लोगों की जान जाती है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य भूकम्प आपदा के मद्देनजर संवेदनशील है। इसलिए सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है कि हमें भूकंपरोधी मकान व भवनों का निर्माण कराना चाहिए। उन्होंने सफलतापूर्वक मॉकड्रिल कराने के लिए 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० की टीम की प्रशंसा किया।

श्री कुमार बालचन्द्र, उप कमान्डेंट ने बताया कि 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा आज के इस मॉक ड्रील के आयोजन से पहले कॉलेज के छात्राओं व शिक्षक–शिक्षिकाओं को 02 दिन का प्रशिक्षण दिया गया। भूकम्प आने पर अपनाये जाने वाले सुरक्षात्मक पहलूओं तथा रेस्पांस मैकेनिज्म को भी बताया गया तथा इसका अभ्यास करवाया गया। इस मॉकड्रिल में एन०डी०आर०एफ० के निरीक्षक विनय कुमार, राजेश कुमार तथा अजीत कुमार सिंह ने सराहनीय भूमिका निभाया।

डॉ० सिस्टर मारिया रश्मि, प्राचार्या, पटना वोमेन्स कॉलेज ने भूकम्प सुरक्षा पर आधारित इस मॉकड्रिल के सफल आयोजन पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० को धन्यवाद दिया तथा छात्राओं को मॉक ड्रिल के महत्व के बारे में समझाया।

बिहार भूकम्प सुरक्षा सप्ताह 2019 (15 से 21 जनवरी)

पटना में भूकम्प सुरक्षा जागरूकता पर पैदल रैली का आयोजन

श्री विजय कुमार चौधरी, माननीय बिहार विधानसभा अध्यक्ष द्वारा ए० एन० कॉलेज, पटना से झण्डा दिखाकर रैली को रवाना किया गया। मौके पर श्री व्यासजी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, डॉ० उदय कान्त मिश्रा, सदस्य, बी०एस०डी०एम०ए०, श्री पी० एन० राय, सदस्य बी०एस०डी०एम०ए०, श्री कुमार रवि, जिलाधिकारी पटना, श्री विजय सिन्हा, कमान्डेंट, 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० तथा अन्य विशिष्ट लोग उपस्थित थे।

15 जनवरी से 21 जनवरी तक बिहार राज्य में मनाये जा रहे भूकम्प सुरक्षा सप्ताह के दौरान (21-01-2019) सुबह 0900 बजे बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राजधानी पटना में भूकम्प सुरक्षा जागरूकता पैदल रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस पैदल रैली का उद्देश्य आम लोगों में भूकम्प आपदा के प्रति जागरूकता को बढ़ाना था। श्री विजय कुमार चौधरी, माननीय बिहार विधानसभा अध्यक्ष द्वारा ए० एन० कॉलेज, पटना से झण्डा दिखाकर इस रैली को मार्च किया गया। मौके पर श्री व्यासजी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, डॉ० उदय कान्त मिश्रा, सदस्य, बी०एस०डी०एम०ए०, श्री पी० एन० राय, सदस्य बी०एस०डी०एम०ए०, श्री कुमार

रवि, जिलाधिकारी पटना, श्री विजय सिन्हा, कमान्डेंट, 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० तथा अन्य विशिष्ट लोग उपस्थित थे। इसका समापन राजधानी वाटिका, इको पार्क, पटना में हुआ।

इस कार्यक्रम में केन्द्र व राज्य के अलग–अलग विभागों के 1500 से अधिक लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया जिसमें बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, 9 बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, सशस्त्र सीमा बल, एस०डी०आर०एफ०, पुलिस, अग्निशमन सेवा, सिविल डिफेन्स, ट्रैफिक पुलिस, होम गार्ड, पटना जिला प्रशासन, रेड क्रॉस, एन०एस०एस०, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, सिविल प्रशासन, मेडिकल आदि शामिल थे।

माननीय बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी ने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण समन्वय से एन०डी०आर०एफ०, एस०डी०आर०एफ०, जिला प्रशासन तथा अन्य एजेंसियों द्वारा भूकम्प सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित किये जा रहे विभिन्न जागरूकता प्रोग्रामों की भरपूर सराहना की।

श्री व्यासजी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने कहा कि भूकम्प जैसी आपदा में नुकसान न हो, इसके लिए समुदाय के प्रत्येक लोग को जागरूक होने की जरूरत है। इस दिशा में बी०एस०डी०एम०ए० अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर लगातार काम कर रही है।

सेंट्रल मॉल में भूकम्प सुरक्षा मॉक ड्रिल

मॉक ड्रील में पटना सेन्ट्रल मॉल के स्टाफ तथा मॉल में मौजूद सिविल लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसमें 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ०, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एस०डी०आर०एफ०, बिहार अग्निशमन सेवा, सिविल डिफेन्स, रूबन हॉस्पीटल, एन०सी०सी०, एन०एस०एस० की टीमों ने भी भाग लिया।

28 मार्च 2019 को 9 बटालियन ए एन०डी०आर०एफ० द्वारा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के समन्वय से पटना सेन्ट्रल मॉल में भूकम्प सुरक्षा पर मॉकड्रिल का सफल आयोजन किया गया। इस मौके पर डॉ० उदय कान्त मिश्रा, सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, श्री विजय सिन्हा, कमान्डेंट, 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ०, श्री रवि कान्त, द्वीतीय कमान अधिकारी, डॉ० मधुबाला, परियोजना पदाधिकारी, श्रीमति मोनिषा दूबे, वरीय सम्पाधदक, बी०एस०डी०एम०ए०, श्री अमित रंजन, मॉल प्रबंधक तथा अन्य विशिष्ट लोग मौजूद थे।

भूकम्प सुरक्षा पर आधारित इस मॉक ड्रील में पटना सेन्ट्रल मॉल के स्टाफ तथा मॉल में मौजूद सिविल लोगों ने उत्साह के साथ बढ़–चढ़कर भाग लिया। इस मॉकड्रिल में 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ०, पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एस०डी०आर०एफ०, बिहार अग्निशमन सेवा, सिविल डिफेन्स, रूबन हॉस्पीटल, एन०सी०सी०, एन०एस०एस० की टीमों ने

पटना सेन्ट्रल मॉल परिसर में 11:30 बजे अचानक सायरन बजने लगा जो कि इस बात का सूचक था कि भूकम्प आ चुका है। तुरन्त, मॉल के अलग-अलग मंजिलों में मौजूद स्टाफ तथा सिविल लोगों ने "झुको", "ढको" व "पकड़ो" ड्रिल को अपनाया। फिर मॉल के आपातकालीन निकासी दल द्वारा सभी स्टाफ तथा लोगों को तरतीबवार असेम्बली एरिया में एकत्रित किया गया। इसके बाद उनकी गिनती की गई।

भी भाग लिया तथा इसे सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पटना सेन्ट्रल मॉल परिसर में 1130 बजे अचानक सायरन बजने लगा जो कि इस बात का सूचक था कि भूकम्प आ चुका है। तुरन्त, मॉल के अलग–अलग मंजिलों में मौजूद स्टाफ तथा सिविल लोगों ने ''झुको'', ''ढको'' व ''पकड़ो'' ड्रील को अपनाया। फिर मॉल के आपातकालीन निकासी दल द्वारा सभी स्टाफ तथा लोगों को तरतीबवार असेम्बली एरिया में एकत्रित किया गया। इसके बाद उनकी गिनती की गई। तत्पश्चात मॉल में गठित की गई खोज व बचाव टीम द्वारा ग्राउंड व प्रथम मंजिला में फँसे 08 घायलों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया गया। मॉल की प्राथमिक उपचार टीम द्वारा घायलों को अस्पताल–पूर्व चिकित्सा मुहैया कराकर उन्हें तुरन्त एम्बुलेंस की मदद से रूबन अस्पताल, पटना भेजा गया। इस मॉक ड्रील के दौरान 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० की टीम अपनी व्यावसायिक निपुणता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय मंजिल तथा पाँचवी मंजिल में बुरी तरह फँसे 05 घायलों को रोप रेसक्यू तकनीक तथा अन्य तरीकों से सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया। इस मॉकड्रिल में आपदा प्रबंधन प्लान के तहत मॉल के लिए गठित रेस्पांस टीमें– आपातकालीन अलार्म टीम, निकासी टीम, खोज व बचाव टीम, प्राथमिक उपचार टीम, फायर फाइटिंग टीम, साइट सिक्योरिटी टीम तथा ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट टीम ने मॉल प्रबंधक के निर्देश पर कुशल समन्वय के साथ अपने भूमिका को निभाया।

डॉ० उदय कान्त मिश्रा, सदस्य, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इस मौके पर उपस्थित पटना सेन्ट्रल मॉल के स्टॉफ तथा सिविल लोगों को सम्बोधित करते हुए आगे उन्होंने बताया कि भूकम्प का अभी तक कोई पूर्वानुमान संभव नहीं हो सका है। भूकम्प से तैयारी व जागरूकता ही बचाव है। भूकम्प से कोई नहीं मरता है बल्कि कमजोर भवनों के गिरने से लोगों की जान जाती है। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य भूकम्प आपदा के मद्देनजर संवेदनशील है। इसलिए

श्री विजय सिन्हा, कमान्डेंट ने बताया कि 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा आज के इस मॉकड्रिल के आयोजन से पहले पटना सेन्ट्रल मॉल के स्टाफ को 02 दिन का प्रशिक्षण दिया गया। भूकम्प आने पर अपनाये जाने वाले सुरक्षात्मक पहलूओं तथा रेस्पांस मैकेनिज्म को बताया गया तथा इसका अभ्यास करवाया गया। उन्होंने कहा कि आपदा से पूर्व की हमारी तैयारी, प्रशिक्षण तथा जागरूकता निश्चित तौर पर आपदा से होनेवाले नुकसान को रोक सकता है।

सुरक्षा के लिहाज से जरूरी है कि हमें भूकंपरोधी मकान व भवनों का निर्माण कराना चाहिए। उन्होंने सफलतापूर्वक मॉकड्रिल कराने के लिए 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० के कमान्डेंट तथा उनकी टीम की प्रशंसा किया।

श्री विजय सिन्हा, कमान्डेंट ने बताया कि 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० द्वारा आज के इस मॉकड्रिल के आयोजन से पहले पटना सेन्ट्रल मॉल के स्टाफ को 02 दिन का प्रशिक्षण दिया गया। भूकम्प आने पर अपनाये जाने वाले सुरक्षात्मक पहलूओं तथा रेस्पांस मैकेनिज्म को बताया गया तथा इसका अभ्यास करवाया गया।

उन्होंने आगे बताया कि आपदा को रोका नहीं जा सकता लेकिन आपदा से पूर्व की हमारी तैयारी, प्रशिक्षण तथा जागरूकता निश्चित तौर पर आपदा से होनेवाले नुकसान को रोक सकता है। किसी भी प्रकार के आपदा आने पर घबड़ाये नहीं बल्कि सूझबूझ के साथ अपनी जिम्मेदारियों को निभाये।

भूकम्प जैसी आपदा में नुकसान न हो इसके लिए जरूरी है कि इस प्रकार के मॉकड्रिल का आयोजन नियमित रूप से किया जाना चाहिए। इस मॉकड्रिल में 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० के श्री कुमार बालचन्द्र, उप कमान्डेंट, निरीक्षक अजीत कुमार सिंह, कमलेश कुमार तथा सतीश कुमार ने सराहनीय भूमिका निभाया। श्री अमित रंजन, मॉल प्रबंधक ने भूकम्प सुरक्षा पर आधारित इस मॉकड्रिल के सफल आयोजन पर 9 बटालियन एन०डी०आर०एफ० तथा बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को धन्यवाद दिया।

समापन समारोह

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह-2019

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री व्यास जी ने कहा कि इस पूरे सप्ताह के दौरान भूकम्प से सुरक्षा हेतु मॉकड्रिल के अतिरिक्त कई कार्यक्रमों जैसे कि पेंटिंग एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिससे कि लोगों के साथ-साथ बच्चों में भी जागरूकता आये।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा 15–21 जनवरी 2019 तक मनाये जा रहे भूकम्प सुरक्षा सप्ताह के समापन्न समारोह का आयोजन 21 जनवरी 2019 को किया गया। इस अवसर पर पटना के इक्को पार्क में भूकम्प सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत स्कूली बच्चों के लिए चित्रांकन एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 300 बच्चों ने उत्साह पूर्वक पेंटिंग एवं नारा लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया। इसके अतिरिक्त पटना आर्ट कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा भूकंप सुरक्षा सप्ताह के दौरान बनाये गये पोस्टरों की प्रदर्शनी भी लगायी गयी।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री व्यास जी ने कहा कि इस पूरे सप्ताह के दौरान भूकम्प से सुरक्षा हेतु मॉकड्रिल के अतिरिक्त कई कार्यक्रमों जैसे कि पेंटिंग एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिससे कि लोगों के साथ–साथ बच्चों में भी जागरूकता आये। स्कूली छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए श्री व्यास जी ने बिहार के भूकंपीय मानचित्र से बच्चों को

अवगत कराया तथा उनसे भूकंप एवं सुरक्षित शनिवार से संबंधित प्रश्नोत्तरी की जिसका की बच्चों ने उत्साह पूर्वक उत्तर दिया।

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्यस्तर पर मनाये जा रहे भूकंप सुरक्षा सप्ताह के अंतिम दिन चित्रांकन एवं नारा लेखन प्रतियोगिता तथा क्यूज प्रतियोगिता के विजेताओं का नाम निर्णायक मंडली द्वारा घोषित किया गया। जिनको की प्राधिकरण द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर क्विज के प्रतिभागियों रौशन कुमार (VII th), सनबीन एकेडमी, आयुष रंजन (VII जी), शिवपुरी अनीसाबाद, पटना, ध्रव (VII जी), नारा लेखन प्रतिभागियों क्रिति कुमारी (VII जी), किंजल कुमारी (VII th), स्नेह कुमारी (VII जी), होली विजन इंटरनेशनल, चित्रकारी के प्रतिभागियों शीतल कुमारी (VII th), संत डेनियल पब्लिक स्कूल, मुस्कान कुमार (VII th), रॉयल कैंभेंट हाई स्कूल, पूजा भारती (VII th), होली विजन पब्लिक स्कूल इन लोगों को पुरस्कृत किया गया।

श्री पी० एन० राय, सदस्य, डॉ० सतेन्द्र, वरीय सलाहकार, श्री शशि भूषण तिवारी, उपाध्यक्ष के विशेष कार्य पदाधिकारी, श्री अजित समैयार, वरीय सलाहकार, श्रीमति मधु बाला, परियोजना पदाधिकारी, डॉ0 पल्लव, परियोजना पदाधिकारी, श्रीमति सुम्बुल अफरोज, वरीय तकनीकी सहायक के साथ प्राधिकरण के अन्य कर्मचारी एवं पदाधिकारी भी शामिल हुए।

बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र

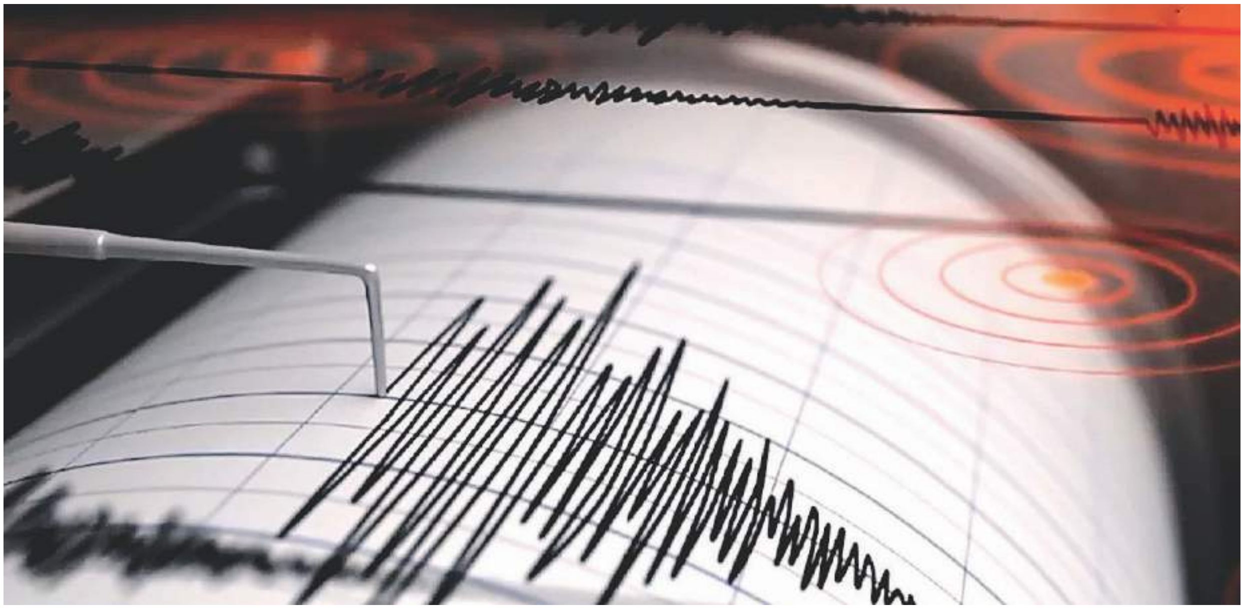

बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र केन्द्र

(पटना विज्ञान महाविद्यालय परिसर)

बहु भौगोलिक परिस्थितियों एवं बहुआपदा प्रवण भारतवर्श में प्राकृतिक आपदाओं के संबंध में यह अनुभव रहा है कि भूकम्प सबसे ज्यादा जोखिम वाली प्राकृतिक आपदाओं में से एक है। पिछली शताब्दी में भारतीय भूभाग में 5 एवं उससे बड़े परिमाप (Magnitude) के करीब 530 भूकम्प अभिलेखित हुए हैं। हिमालय क्षेत्र में 1897 से उपलब्ध आकड़ों के आधार पर अभी तक 8 या बड़े के 4 भूकम्प आ चुके हैं, जिनमें से प्रत्येक ने भूकम्प के केन्द्र के पास 200 से 300 कि0मी0 तक की जमीन को अपभ्रांति (Rupture) किया है। हिमालय क्षेत्र की भूकम्प के प्रति अति संवेदनशीलता, इस क्षेत्र में रहने वाले लोगों पर डेमोसिलीज की लटकी हुई तलवार के समान है। बिहार राज्य भूकम्प के अति संवेदन शील हिमालय क्षेत्र के पास स्थित है। हिमालय क्षेत्र में बिहार के भूभाग के पास Main Central Thrust (MCT), Main Boundary Thrust (MBT) ,व Himalayan Frontal Thrust (HFT) जिनका फैलाव पूर्व से पश्चिम की तरफ है, मुख्य रूप से भूकम्प पैदा करने वाले भूगर्भीय कारण है। हिमालय क्षेत्र के अलावा, बिहार राज्य के भूभाग के अन्दर भी भूकम्प पैदा कर सकने वाले भूगर्भीय अपभ्रांत (fault) है, जिनमें पूर्वी पटना अपभ्रांत पश्चिमी पटना अपभ्रांत, मुंगेर, सहरसा रिज अपभ्रांत, कटिहार–नैफाभारी अपभ्रांत, मालदा किशनगंज अपभ्रांत आदि प्रमुख है। **(चित्र–1)**

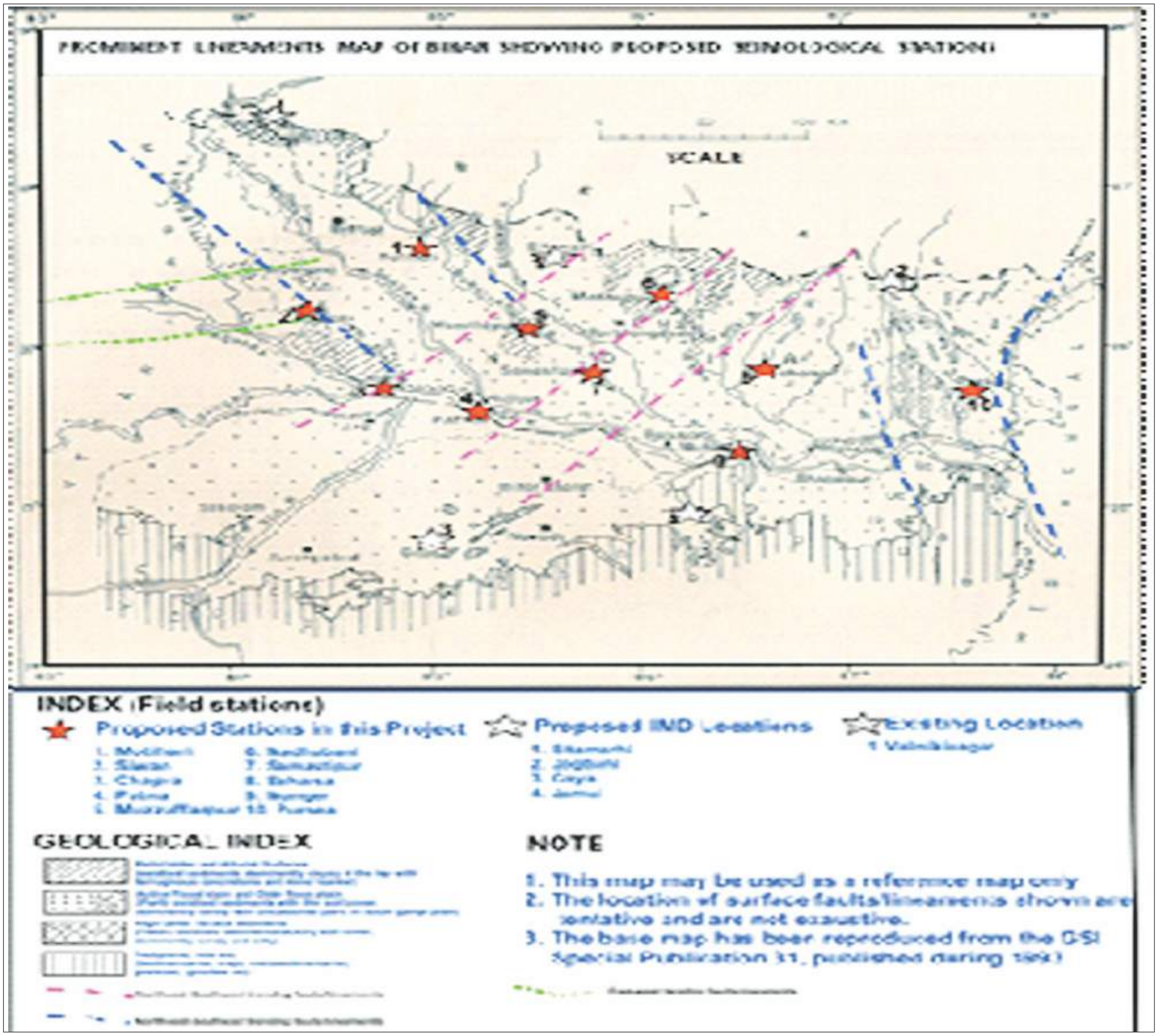

चित्र.1: बिहार में भूगर्भीय मानचित्र पर दिखाए गए अन्दरूनी भू–भाग पर स्थित अपभ्रंा (faults) एवं क्षेत्रीय वेधालाओं की प्रस्तावित स्थिति।

बिहार में 15 जनवरी 1934 का भूकम्प अब तक का सबसे अधिक विनाशकारी भूकम्प था। इस भूकम्प का केन्द्र दरभंगा–मुजफ्फरपुर भाहरों के थोड़ा बायीं (North) ओर एलूवियल मिट्टी की सतह के नीचे था। इस भूकम्प की वजह से बहुत जगहों पर Liquefaction की घटना हुई थी, जिसकी वजह से जमीन के अन्दर की बालुई मिट्टी एवं पानी भी सतह पर आ गया था। भूकम्प के केन्द्र के बायीं ओर हिमालयी क्षेत्र में अत्यधिक Land Slide की घटनाएं हुई थी। इस भूकम्प के प्रभाव से गिरने वाले भवनों की वजह से 10,000 (दस हजार) से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। यह भूकम्प करीब 1600 कि0मी0 की परिधि तक महसूस किया गया था।

21 अगस्त 1988 का 6.9 परिमाप वाला भूकम्प, जिसका केन्द्र भारत–नेपाल की सीमा पर था, की वजह से भी बिहार का उत्तरी (North) भाग काफी प्रभावित हुआ था। 25 अप्रैल 2015 को 7.8 परिमाप का एक और भूकम्प हिमालय क्षेत्र में जहाँ इन्डियन प्लेट यूरेनियन प्लेट के अन्दर जा रही है, के उपर या पास में थ्रस्ट फाल्टिंग के वजह से हुआ था, एवं इसके

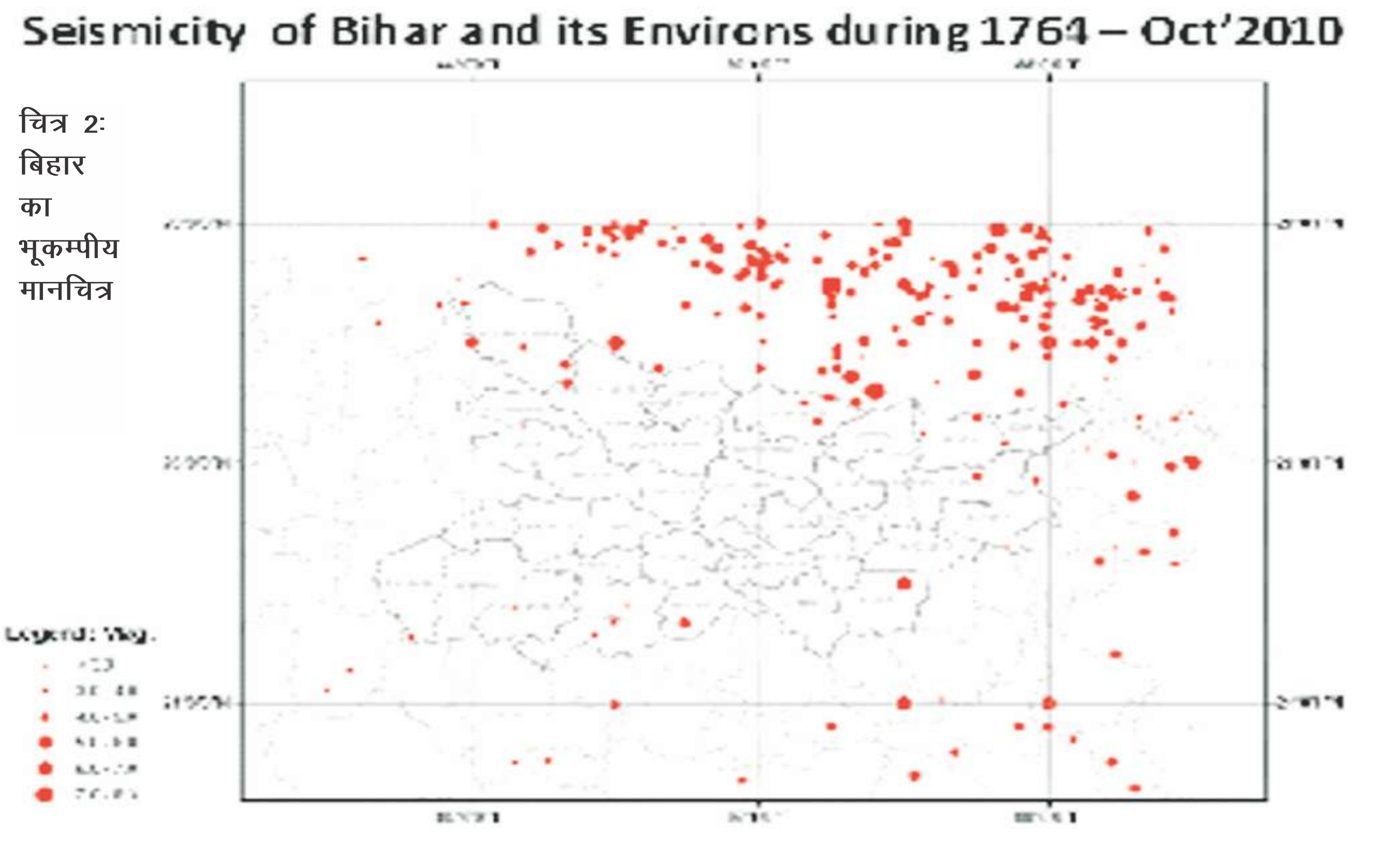

चित्र 2: बिहार का भूकम्पीय मानचित्र

प्रभाव से 7.3 परिमाप का एक अन्य भूकम्प 12 मई 2015 को आया। इन दोनों भूकम्पों की वजह से भी बिहार का काफी भूभाग प्रभावित हुआ। इन सब भूकम्पों की वजह से बिहार के दरभंगा, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, मधुबनी, सीतामढ़ी, मुंगेर, बेतिया, पूर्णिया इत्यादि जिले काफी प्रभावित होते रहे हैं।

बिहार एवं उससे लगे हुए भूभाग का भूकम्पीय मानचित्र जो भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गए भूकम्प के 1764 से अक्टूबर 2010 के आंकड़ों पर आधारित है, चित्र 2 में दर्शाया गया है। इस मानचित्र में बिहार के अन्दरूनी भूभाग में दर्शाए गए भूकम्प यह सुनिश्चित करते हैं कि बिहार के अन्दरूनी भूभाग में भी सक्रिय अपभ्रां (Fault Systems) हैं, जो भारतीय भूकम्पीय प्लेट के उत्तरी दिशा की ओर बढ़ने से, उर्जा को संचयित करने एवं भूकम्प के रूप में उत्सर्जित करने की क्षमता रखते हैं। इस मानचित्र में दिखाए गए छोटे परिमाप के भूकम्प, राष्ट्रीय भूकम्प केन्द्र के भूकम्पीय तंत्र द्वारा इकट्ठा किए गए आकड़ों पर आधारित है, चूकि इस तंत्र में बिहार के सम्पूर्ण भूभाग में मात्र एक भूकम्पीय वेधशाला स्थित है, अतः इसके द्वारा अभिलेखित छोटे भूकम्पों की स्थिति (Location) आदि में काफी Uncertainty सम्भव है। यह भी सम्भव है कि, कुछ छोटे भूकम्प जिनके केन्द्र वेधशाला से दूर रहे हों, वे अभिलेखित भी न हुए हों। अतः इस भूकम्पीय मानचित्र से बिहार के अन्दरूनी भूभाग की वास्तविक भूकम्पीय स्थिति, भूकम्प पैदा करने वाले श्रोत की प्रकृति आदि को समझ पाना कठिन है।

अतः बिहार की भूकम्पीय स्थिति से संबंधी हमारा ज्ञान पूर्ण नहीं है, क्योंकि अभिलेखित भूकम्प मात्र एक स्थानीय वेधशाला की स्थिति से प्रेरित हो सकते हैं। इस प्रकार जहाँ पर भूकम्प अभिलेखित नहीं हैं, वहाँ आव यक नहीं कि भूकम्प न हुए हों, बल्कि हो सकता है कि उस स्थान पर भूकम्पीय वेधशाला न होने की वजह से, छोटे भूकम्प अभिलेखित ही न हुए हों। इस प्रकार ऐसे क्षेत्रों की भूकम्पीय स्थिति पर हमारे ज्ञान में रिक्तता हो सकती है।

अतः भूकम्पीय जोखिम न्यूनीकरण प्रबंधन को सही ढ़ंग से लागू करने के लिए आव यक है कि, स्थानीय भूकम्पीय तंत्र की स्थापना की जाए, जो स्थानीय स्तर पर होने वाले छोटे–छोटे भूकम्पों को भी अभिलेखित करने में सक्षम हो।

बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र का महत्वः भूकम्प एक प्राकृतिक घटना है, जिसको रोक पाना सम्भव नहीं है, परन्तु इसके प्रभाव से होने वाले जान–माल के नुकसान को सही भूकम्पीय न्यूनीकरण के तरीकों को अपनाने एवं उचित आपदा प्रबंधन के माध्यम से काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रभावी जोखिम न्यूनीकरण प्रबंधन को लागू करना काफी जटिल एवं लम्बी प्रक्रिया है, जिसके मुख्य अवयव निम्नलिखित हैं।

1. भूकम्पीय आपदा के प्रभाव का मात्रात्मक (Quantitative) आंकलन।
2. भवन के सही ढ़ांचे/नक्शा का निर्माण की प्रक्रिया एवं कोड का विकसित करना, या "उचित भवन निर्माण कला, निर्माण की प्रक्रिया एवं कोड का विकसीत करना"।
3. प्रभावी भूमि प्रबंधन।
4. उचित भूकम्प जोखिम न्यूनीकरण प्रक्रिया को लागू करना।

किसी क्षेत्र में भूकम्पीय तंत्र के द्वारा इकट्ठा किए गए भूकम्पीय आंकड़े उपरोक्त दर्शाए गए भूकम्पीय जोखिम न्यूनिकरण प्रबंधन के प्रथम तीन अवयवों हेतु, प्राथमिक आंकड़े उपलब्ध कराता है। इसके बिना इन अवयवों को सटीक रूप से विकसित नहीं किया जा सकता।

भूकम्पीय आपातकालीन प्रबंधनः बिहार भूकम्प दूरमा. पी तंत्र भूकम्प आने के तुरंत कुछ मिनटों के अन्दर ही भूकम्प के केन्द्र की भौगोलिक स्थिति, (Location) उसका परिमाप, (Magnitude) सम्भावित प्रभाव आदि की जानकारी, तुरन्त आपदा प्रबंधन में संलग्न संस्थाओं, उच्च अधिकारीयों आदि को विभिन्न प्रचलित माध्यमों जैसे SMS, e-mail, Fax आदि से उपलब्ध करायेगा।

चित्र–3: क्षेत्रीय वेधालाओं पर लगाए जाने वाले यंत्रों का ब्लाक चित्र।

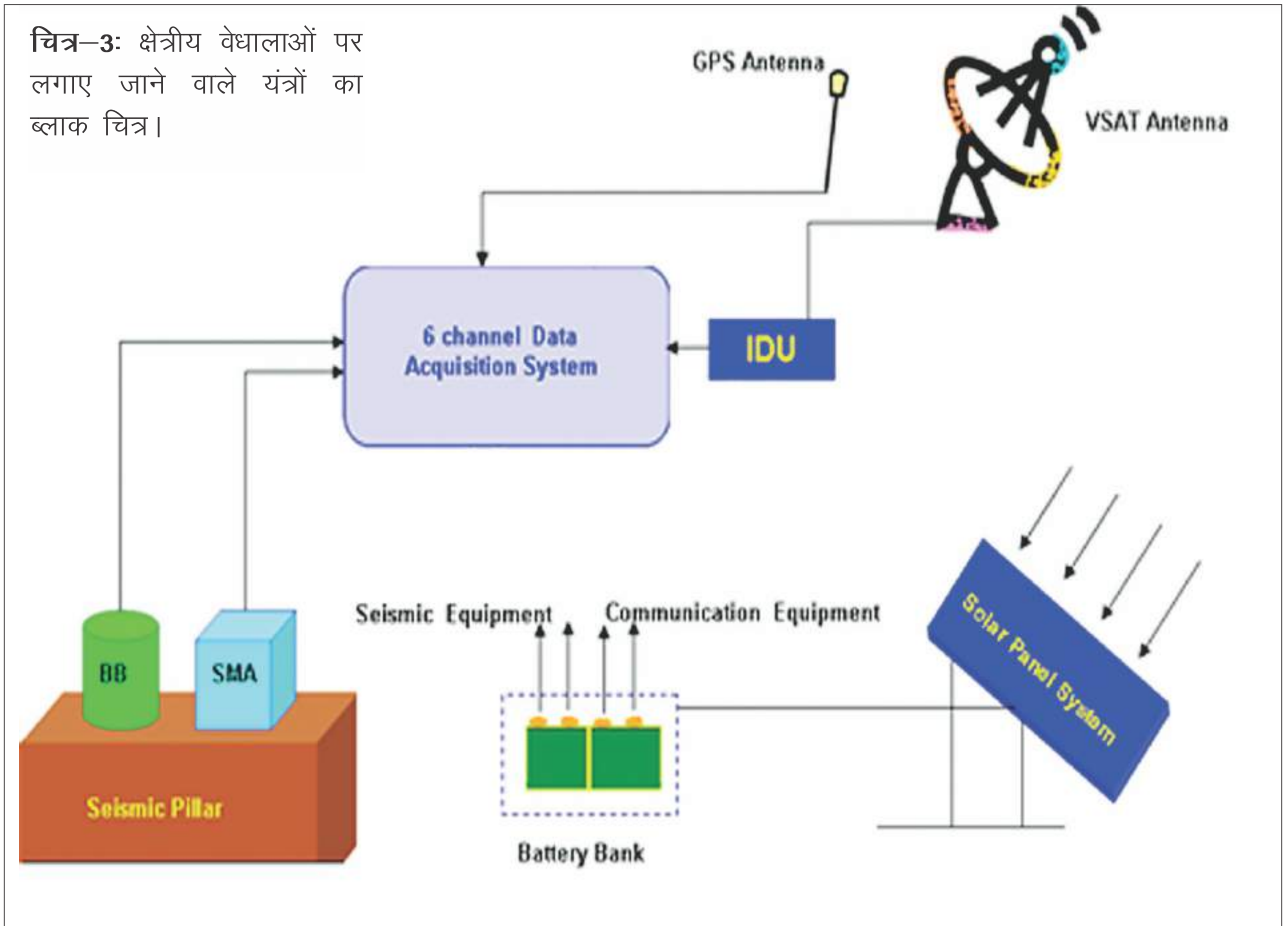

चित्र–4: बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र केन्द्र पर लगाए जाने वाले यंत्रों का ब्लाक चित्र।

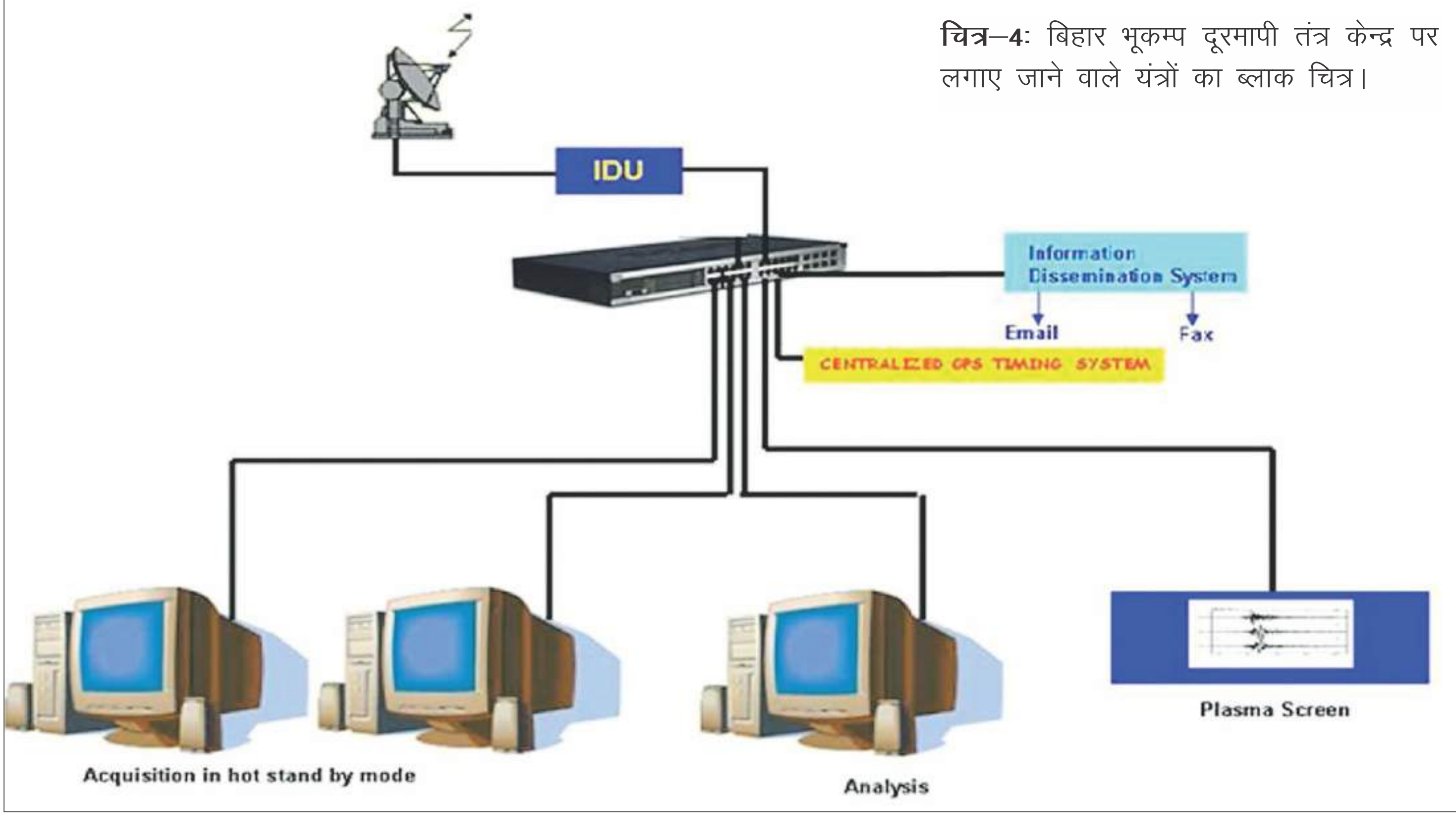

भूकम्पीय प्रभाव की गणना: बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र स्थानीय भूकम्पीय आंकड़े उपलब्ध करायेगा। इन आंकड़ों का उपयोग कर, भविष्य में आने वाले भूकम्प की वजह से हुए पृथ्वी के कंपन (Ground Motion) की प्रकृति, उसका परिमाप, आदि की गणना की जा सकेगी, जो भवन निर्माण कला में भूकम्परोधी भवनों के निर्माण हेतु बवकम बनाने में उपयोगी होगा।

भूकम्पीय यांत्रीकी (Engineering) में: भूकम्प दूरमा. पी तंत्र में लगे एक अनेक प्रकार के यंत्र से बड़े भूकम्प के आने की स्थिति में, उनके द्वारा पृथ्वी के कंपन (Ground Motion) संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराएगा, जिनका उपयोग सीधे तौर से बिहार में विभिन्न भूकम्पीय जोन में विभिन्न प्रकार के भवन, पुल पाइप लाइन, सड़कें, वायुयान पट्टी, बाँध एवं अन्य Critical सुविधाओं के निर्माण हेतु कोड बनाने में हो सकेगा, जिससे सुरक्षित एवं Cost-effective निर्माण सम्भव हो सकेगा।

वैज्ञानिक शोध : बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र द्वारा इकट्ठा किए गए भूकम्पीय आंकडों का उपयोग मूल वैज्ञानिक एंव व्यवहारिक अध्ययन में जैसे भूकम्प के श्रोत की प्रकृति, विभिन्न प्रकार की उत्सर्जित तरंगों की प्रकृति एवं उनका प्रभाव, स्थान विशेष पर पृथ्वी की सतह की बनावट एवं उपस्थित मिट्टी आदि की वजह से भूकम्प के प्रभाव का अध्ययन आदि में उपयोग किया जा सकेगा।

जनउपयोगी सूचना : भूकम्प एवं अन्य किसी वजह से पृथ्वी के कंपन की छोटी सी घटना, जो कि सामान्य जन को महसूस हो सके, स्वाभाविक तौर पर उनके मन में जानने की इच्छा होती है कि, "क्या हुआ? कहाँ हुआ? कितना खतरनाक है?" बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र ऐसी घटना होने के तुरन्त बाद सामान्य जन के इन प्रश्नों का उत्तर विभिन्न माध्यमों से प्रसारित करेगा।

भूकम्पीय साक्षरता: पटना विज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्थित भूकम्प दूरमापी तंत्र का केन्द्र, बिहार में भूकम्प एवं उससे सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान करने के लिये केन्द्र की तरह कार्य करेगा। यह पृथ्वी विज्ञान एवं यांत्रिकी विषय के छात्रों का प्रशिक्षण स्थल एवं अन्य भवन कला से जुड़े इन्जीनियर्स, व्यवसायिक, प्लानर्स एवं भूकम्प आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन में लगे निति. निर्धारकों, आदि को भूकम्प संबंधी विशेषज्ञ सलाह उपलब्ध कराने का कार्य करेगा।

बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्रः भूकम्प दूरमापी तंत्र के अन्तर्गत भूकम्पीय जोन III, IV, V में स्थित 10 जिलों में जिनका विवरण सारणी–1 में दिया गया है, में 10 स्वचलित क्षेत्रिय वेधशालाओं एवं पटना विज्ञान महाविद्यालय के परिसर में बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र का केन्द्र होगा।

सारणी–1: क्षेत्रीय वेधशालाओं की सूची

No.	Location	Latitude	Longitude
1	Motihari	26°39'N	84°55'E
2	Gopalganj	26°28'N	84°25'E
3	Chappra	25°47'N	84°43'E
4	Patna	25°36'N	85°08'E
5	Muzaffarpur	26°04'N	85°27'E
6	Sitamarhi	26°35'N	85°30'E
7	Darbhanga	26°10'N	85°54'E
8	Saharsa	25°53'N	86°36'E
9	Munger	25°22'N	86°27'E
10	Purnea	25°47'N	87°28'E

प्रत्येक क्षेत्रीय वेधशालाओं में भूकम्प मापी, ऐक्सलरो मीटर (Accelerometer), आंकड़ा संग्राहक, उपग्रह के माध्यम से सूचना पहुचाने वाला VSAT यंत्र, एन्टीना, सोलर पैनल, बैट्री, स्वतः गणना इत्यादि हेतु वि शेष सॉफ्टवेयर पैकेज इत्यादि होंगे

पटना विज्ञान महाविद्यालय स्थित केन्द्र में मूलतः तीन हाईएन्ड कम्प्यूटर, उपग्रह द्वारा सूचना भेजने वाले VSAT यंत्र उसका एन्टीना, सोलर पैनल, प्रिन्टर, LCD प्रोजेक्टर जिनमें क्षेत्रीय वेधशालाओं से प्राप्त आंकड़े, कम्प्यूटर की गणना से प्राप्त परिणाम इत्यादि प्रदर्शित होंगे

क्षेत्रीय वेधशालाओं से पृथ्वी के कंपन (Ground Motion) संबंधी आंकड़े, अभिलेखित होते ही सीधे उपग्रह द्वारा सूचना भेजने वाले VSAT के माध्यम से पटना विज्ञान महाविद्यालय में स्थित केन्द्र को भारतीय उपग्रह का उपयोग करते हुए स्वतः भेजे जाएंगे। इस प्रकार के प्राप्त आंकड़ों का उपयोग भूकम्प के होने की दशा में केन्द्र स्थापित कम्प्यूटरों द्वारा स्वतः भूकम्पीय गणना कर भूकम्प का केन्द्र, उसका परिमाप (Magnitude) सतह से गहरायी आदि का निर्धारण करने में होगा। इस प्रकार प्राप्त प्राथमिक जानकारी स्वतः पूर्वनिर्धारित संस्थाओं, केन्द्रों एवं आपदा प्रबंधन में लगे अधिकारियों एवं सामान्य जन को विभिन्न संचार के प्रचलित माध्यमों जैसे SMS, e-mail, fax द्वारा भेजा जाएगा, जिसमें आपदा प्रबंधन का कार्य भीघ्रता शीघ्र भुारू किया जा सके। क्षेत्रीय वेधशालाओं से प्राप्त आंकड़े एवं भूकम्प आने पर भूकम्प संबंधी जानकारी केन्द्र में लगे LCD पर सतत् दिखायी जाती रहेगी। भूकम्प के आने की दशा में केन्द्र में एक अलार्म भी बजेगा। इस प्रकार पटना विज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्थित केन्द्र 24 घन्टे कार्य करते हुए, भूकम्प के आने की सूचना एवं उपरोक्त वर्णित अन्य कार्य करता रहेगा।

(क्षेत्रीय वेधशाला भवन)

अन्य सूचना हेतु सर्म्पकः

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
(आपदा प्रबंधन विभाग)
पंत भवन, द्वितीय तल
पटना, बिहार

बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र की स्थापना

दिनांक - 18.02.2019

हमारे यहां भूकम्पीय जोखिम न्यूनीकरण प्रबंधन को सही ढ़ंग से लागू करने के लिए स्थानीय भूकम्पीय तंत्र की स्थापना की जाएगी, जो स्थानीय स्तर पर होने वाले छोटे–छोटे भूकम्पों को भी अभिलेखित करने में सक्षम होगा। इसी उद्देश्य से सोमवार को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं पटना विश्वविद्यालय के साथ मिलकर केन्द्रीय संग्रहण केन्द्र की स्थापना हेतु MOU हस्ताक्षरित किया। पटना विज्ञान महाविद्यालय के भूगर्भ विज्ञान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एकरारनामा प्राधिकरण के सचिव श्री सॉवर भारती तथा पटना विश्व विद्यालय के रजिस्टार कर्नल मनोज मिश्रा द्वारा हस्ताक्षरी किया गया।

इस अवसर पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, श्री व्यास जी ने कहा कि इसकी नींव 2012 में पड़ी थी। जो आज पूर्ण हो रहा है। अतः आज बहुत महत्वपूर्ण दिवस है। बिहार भूकंप के दृष्टिकोण से बहुत ही संवेदनशील है, जो सेस्मिक जोन V में आता है। इसके निर्माण से राज्य में भूकंपरोधी निर्माण में बहुत सहायता मिलेगी। बिहार भूकम्प दूरमापी तंत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए व्यास जी ने कहा कि भूकम्प एक प्राकृतिक घटना है, जिसको रोक पाना सम्भव नहीं है, परन्तु इसके प्रभाव से होने वाले जान–माल के नुकसान को सही भूकम्पीय न्यूनीकरण के तरीकों को अपनाने एवं उचित आपदा प्रबंधन के माध्यम से काफी हद तक कम किया जा सकता है। प्रभावी जोखिम न्यूनीकरण प्रबंधन को लागू करना काफी जटिल एवं लम्बी प्रक्रिया है, जिसके मुख्य अवयव हैं। भूकम्पीय आपदा के प्रभाव का मात्रात्मक (Quantitative) आंकलन, भवन के सही ढांचे/नक्शा का निर्माण की प्रक्रिया एवं कोड का विकसित करना, या "उचित भवन निर्माण कला, निर्माण की प्रक्रिया एवं कोड का विकसीत करना", प्रभावी भूमि प्रबंधन, उचित भूकम्प जोखिम न्यूनीकरण प्रक्रिया को लागू करना आदि भूकंप दूरमापी केन्द्र में किया जायेगा।

कुलपति पटना विश्व विद्यालय, प्रो0 रासबिहारी प्रसाद सिंह ने कहा कि समाजिक और शोध के विद्यार्थियों को इनसे बहुत लाभ मिलने वाला है। इस दूरमापी केन्द्र की स्थापना के लिए माननीय मुख्यमंत्री भी अति उत्साहित हैं। यह Geodogy (भूगर्मशास्त्र) और भूगोल के छात्रों को रोजगार भी प्राप्त होगा।

प्रो0 सिंह ने दूरमापी केन्द्र तंत्र की स्थापना के अतिरिक्त पटना विश्वविद्यालय के सभी भवनों का Rapid Visual Screening तथा Retrofitting कराने के साथ–साथ मॉकड्रिल कराने का आग्रह किया।

इस अवसर पर श्री पी0 एन0 राय, सदस्य, श्री ए. के. शुक्ला, निदेशक, दूरमापी तंत्र, श्री ए. के उपाध्याय, अवर सचिव, श्री शशि भूषण तिवारी, OSD, श्री वरूण कांत मिश्रा, वरीय सलाहकार एवं कुल सचिव, प्राचार्य (विज्ञान महाविद्यालय) विभिन्न विभागों के विभागध्यक्ष, प्रधान अध्यापक, बी0एस0डी0एम0ए0 के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में विश्व विद्यालय के छात्र भी शामिल थे।

30 वां सड़क सुरक्षा सप्ताह 2019

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा विभिन्न हितभागियों के सहयोग से 'सड़क सुरक्षा सप्ताह 2019' का आरंभ 4 फरवरी को किया गया। 30वें सड़क सुरक्षा सप्ताह के प्रथम दिन बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कम्युनिटी ट्रैफिक पुलिस, भारतीय स्टेट बैंक तथा सोना बिस्कुट के सहयोग से साईकिल रैली निकाल सप्ताह का आज किया किया। बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्याय श्री व्यास जी तथा सदस्य, श्री पी.एन. राय ने इस साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर ब्रिग्रेडियर प्रवीण कुमार, एनसीसी, पटना ग्रुप, श्री पी0एन0 मिश्रा, एसपी ट्रैफिक, श्री पवन कुमार सिंह, एजीएम, एसबीआई, सचिवालय शाखा, धीरज कुमार, मुख्य समन्वयक, कम्युनिटि ट्रैफिक पुलिस आदि मौजूद थे। साईकिल रैली का नेतृत्व प्राधिकरण की वरीय तकनीकी सहायक, श्रीमति सुम्बुल अफ्रोज ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन नोडल पदाधिकारी डॉ. जीवन कुमार ने किया।

लोगों में सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता प्रेषित करने तथा अपनी आदतों में बदलाव लाने के उद्देश्य से प्राधिकरण द्वारा संकल्प ज्योति संस्था, पटना/निर्माण

कला मंच/प्रेरणा (जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा) के सहयोग से विभिन्न विद्यालयों यथा संत जोसेफ कान्वेंट स्कूल, गाँधी मैदान राम गुलाम चौक, विकास प्रबंधन संस्थान, क्राइस्ट चर्च स्कूल, संत जेवियर स्कूल, बापू स्मारक महिला उच्च विद्यालय, संत मैरी स्कूल, अयुव उर्दू गर्ल्स स्कूल ,वं बिहार नेशनल कॉलेज में नुक्कड़ नाटक एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजित की गई गतिविधियों का विवरण

सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु साइकिल रैली

प्राधिकरण द्वारा कम्यूनिटी ट्रैफिक पुलिस एवं भारतीय स्टेट बैंक, सचिवालय शाखा, सोबिस्को बिस्कुट कं.लि. एवं रेड क्रॉस के सहयोग से राज्य स्तरीय ,वं जिला स्तरीय साइकिल जागरूकता रैली का आयोजन किया किया ।

गतिविधिः लगभग 150 प्रतिभागियों की भागीदारी में पटना में साइकिल रैली दिनांक 04–02–2019 को इको पार्क गेट नं0–2 से प्रारम्भ होकर हड़ताली मोड़– आयकर चौराहा– डाकबग्ला चौराहा– गांधी मैदान– गोलघर– राजापुर पुल– बोरिंग कैनाल रोड़ होते हुये पुनः इको पार्क गेट नं0–2 पर वापस हुई।

जिला स्तरीय साइकिल रैली

दिनांक 04–02–2019 को इको पार्क गेट नं0–2 से प्रारम्भ होकर 15 सदस्यों की साइकिल रैली एवं प्राथमिक उपचार वैन वैशाली, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, शेखपुरा (बरबीघा), नालंदा, गया एवं जहानाबाद होते हुये दिनांक 10–02–2019 को शिवाजी पार्क, कंकड़बाग, पटना में वापस हुई एवं प्रतिभागियों को एक समारोह में प्रोत्साहित किया गया।

उल्लिखित रूट पर जागरूकता टीम के सदस्यों द्वारा विभिन्न स्थानों पर हेलमेट एवं सीट बेल्ट का उपयाग, road signs और जीवन सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण के बारे में शिक्षण

संस्थानों, बस पड़ाव और चिन्हित सार्वजनिक स्थलों पर समुदाय के बीच जागरूकता और प्रचार–प्रसार किया गया।

2. सड़क सुरक्ष विषय पर कार्यशाला व नुक्कड़ नाटक :–

प्राधिकरण द्वारा संकल्प ज्योति, AIIMS Patna जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा (प्रेरणा), निर्माण कला मंच व दोस्ताना सफर संस्थाओं के सहयोग से कार्यशाला, सी0 पी0 आर0–अस्पताल पूर्व चिकित्सा, प्रशिक्षित व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सड़क सुरक्षा के संबंध में पटना के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में समुदाय के बीच जागरूकता व संवेदीकरण का कार्य किया गया।

3 "सड़क सुरक्षा –जीवन रक्षा विषय पर चित्रकारी, नारा और लेखन प्रतियोगिताः–

सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान दिनांक 08–02–2019 को राष्ट्रीय अंतर्देशीय नौ–वाहन संस्थान, पटना में विद्यालय संगठन, पटना सिटी के सहयोग से 15 विद्यालयों के लगभग 500 छात्र छात्राओं के बीच "सड़क सुरक्षा–जीवन रक्षा" विषय पर चित्रकारी, नारा और लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण करने वालों को चयनित करके पुरस्कृत किया गया।

4 ऑटो चालकों एवं समुदाय के बीच स्वास्थ्य जाँच शिविर एवं प्राथमिक उपचार विषय पर प्रशिक्षण–

प्राधिकरण द्वारा बिहार राज्य ऑटो रिक्शा (टेंम्पू) चालक संघ (IDV) , AIIMS और बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स, पटना के सहयोग से दिनांक 08 एवं 09 फरवरी 2019 को ऑटो चालकों ,वं अन्य समुदाय के लि, सामान्य स्वास्थ्य जाँच, आँख जाँच और प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आजाद टेम्पू स्टैंड, पटना रेलवे स्टेशन पर किया गया।

स्वास्थ्य जाँच शिविर (गतिविधियाँ)

प्राधिकरण द्वारा आल इंडिया रोड ट्रांस्पोर्ट वर्कर्स फेडरेशन/बिहार राज्य ऑटो रिक्शा (टेम्पू) चालक संघ एवं पटना जिला ऑटो रिक्शा (टेम्पू) चालक संघ के सहयोग से पटना जिले में ऑटो/टेम्पू के माध्यम से सड़क सुरक्षा विषय पर प्रचार–प्रसार सामग्रियों की सहायता समुदाय के बीच जागरूकता और संवेदीकरण का कार्य किया गया।

बिहार राज्य परिवहन मित्र कामागार संघ के सहयोग से राज्य के सभी जिलों में सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित किये गए।

5 सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली

प्राधिकरण द्वारा दिनांक 10–02–2019 को एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, बिहार पुलिस, कम्यूनिटी ट्रैफिक पुलिस, युगांतर, संकल्प ज्योति एवं रोटरी क्लब के सहयोग से लगभग 300 लोगों की भागीदारी में सड़क सुरक्षा विषय पर रैली का आयोजन किया गया। यह रैली शिवाजी पार्क, कंकड़बाग से प्रारंभ होकर शालीमार चौराहा, लोहिया पार्क, श्री राम अस्पताल, स्व0 मंजू सिन्हा पार्क होते हुए पाटलीपुत्रा खेल परिसर के बाद पुनः शिवाजी पार्क में समाप्त हुई। इस जागरूकता रैली के रास्ते में लोगों के बीच जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार सामग्रियों को वितरित किया गया एवं दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट साथ चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगने की सलाह दी गयी।

6 बीमा कंपनियों द्वारा claims settlement

प्राधिकरण द्वारा दिनांक 16 जनवरी को सड़क सुरक्षा सप्ताह 2019 की तैयारी बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में यूनाईटेड इंडिया इनश्योरेंस कं0 लि0 द्वारा सप्ताह के दौरान कुल 379 claims एवं भारतीय जीवन बीमा नि0 लि0 द्वारा कुल 20 claims का settlement किया गया।

7 सड़क सुरक्षा संबंधी Advisory का प्रकाशन

सड़क सुरक्षा के उपाय एवं इनश्योरेंस claims settlement किये जाने हेतु प्रक्रियाओं एवं आवश्यक कागजात के संबंध में जागरूकता के लि, आवश्यक सलाह का प्रकाशन सप्ताह के दौरान प्रमुख हिन्दी एवं अंग्रेजी समाचार पत्रों में किया गया।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम को पूरे वर्ष आयोजित किये जाने हेतु तैयारी बैठकः–

प्राधिकरण कार्यालय में दिनांक 28–02–2019 को विभिन्न जिलों में हाई स्कूल, महाविद्यालयों /चिन्हित ऑटो/बस स्टैंड्स पर सड़क सुरक्षा के विभिन्न आयामों के संदर्भ में जागरूकता एवं प्रचार –प्रसार के उद्देश्य से परिवहन विभाग और अन्य हितभागियों साथ बैठक का आयोजन किया किया। इस बैठक में जिले स्तर पर पूरे वर्ष आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में निर्णय लिया गया।

केरल बाढ़ 2018 पर एक दिवसीय अनुभव शेयरिंग कार्यशाला

बिहार म्यूजियम, पटना के संवाद कक्ष में आयोजित अनुभव साझा कार्यक्रम द्वारा श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बिहार में बाढ़ आपदा के दौरान राहत कार्य और बचाव, नुकसान का आकलन और पुनर्वास के लिए बनाए गए मानक प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया

केरल राज्य में 2018 में आये बाढ़ के दौरान किए गए राहत कार्य और बचाव, नुकसान का आकलन और पुनर्वास के दौरान किए गए कार्यों के अनुभव एवं सीखों को साझा करने के उद्देश्य से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनाक 05.02.2019 को किया गया।

बिहार म्यूजियम, पटना के संवाद कक्ष में आयोजित अनुभव साझा कायर्क्रम श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा बिहार में बाढ़ आपदा के दौरान राहत कार्य और बचाव, नुकसान का आकलन और पुनर्वास के लिए बनाए गए मानक प्रक्रिया पर प्रकाश डाला गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित केरल बाढ के दौरान राहत कार्यों में भाग लेने वाले अधिकारियों एवं स्वयंसेवी संस्था के सदस्यों को केरल बाढ के दौरान राज्य सरकार एवं अन्य एजेंसियों द्वारा किए गए कुछ अच्छे कार्यों को बिहार के पदाधिकारियों से साझा करने का अनुरोध किया गया, जिससे बिहार में भी बाढ़ के दौरान एवं उसके बाद इस सीख को मानक प्रक्रिया में लाया जा सके.

कायक्रम में श्री विनादे मेनन, फाउडंर मेंबर, एन.डी. एम.ए. ने अगस्त 2018 में केरल में मानसून के दौरान अत्यधिक वर्शा के कारण आयी बाढ़ पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केरल में एक शताब्दी में आयी सबसे विकराल बाढ़ थी, जिसमें अबतक 373 से अधिक लोग मारे गये थे तथा 2,80,679 से अधिक लोगों को विस्थापित होना पड़ा । राज्य के सभी 14 जिलों को हाई एलर्ट पर रखा गया था। केरल सरकार के अनुसार राज्य की 1/6 जनसंख्या बाढ़ से सीधे तौर पर प्रभावित हुई थी। केन्द्र सरकार ने इस त्रासदी को स्तर तीन की आपदा घोशित किया था। अत्यधिक वर्षा व बाढ़ के कारण राज्य के इतिहास में पहली बार 42 में से 35 बाधों को खोल दिया गया तथा 26 सालों में पहली बार बाधं के सभी पाँच द्वारों को खोला गया था। इस कारण से पर्वतीय जिले वयनाड का सम्पर्क राज्य के अन्य हिस्सों से पूरी तरह से कट गया था।

उन्होंने केरल सरकार द्वारा बचाव, राहत एवं पनुर्वास के संबंध में किए गए विविध नवाचारों से अवगत कराया। कायर्क्रम में डॉ यूके मिश्र, सदस्य, श्री पीएन राय, सदस्य, फादर पॉल, कैरिटास, के अतिरिक्त आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ एवं बिहार राज्य सरकार के विभिन्न विभागों स्वयं सेवी सस्थाओं के प्रतिनिधि एवं यूनिसेफ के प्रतिनिधि भी शामिल हुए एवं अनुभवों को साझा किये. यूनिसफे बिहार की टीम, जो इस बाढ़ में केरल में थी, तथा फादर पॉल ने भी विभिन्न जिलों में राज्य सरकार, समदुाय, स्वयं सेवी संस्थाओं एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा किए गए अभिनव प्रयासों से अवगत कराया।

इस कार्यशाला में उभरे बिन्दुओं का दस्तावेजीकरण किया जा रहा है जिसे राज्य सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग सहित अन्य सभी संबंधित विभागों के साथ साझा किया जाएगा।

सुपौल व सीतामढ़ी जिले के महिला सामुदायिक स्वयंसेवकों का आपदा रिस्पांस पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मानव जनित या प्राकृतिक आपदा के समय प्रथम रिस्पांडर समुदाय होता है। आपदाओं को हम रोक नहीं सकते लेकिन उससे होने वाले नुकसान , क्षति को कम–से कम कर सकते हैं, और इसके लिए जरूरी है कि समुदाय के लोगों को आपदा प्रबंधन और रिस्पांस पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाय।

इसी परिप्रेक्ष्य में NDMA नई दिल्ली द्वारा संपोषित "Training of Community Voluntreers for Disaster Response" का कार्यक्रम प्राधिकरण द्वारा नौवीं वाहिनी, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत फरवरी, 2019 माह तक सुपौल जिले के 200 एवं सीतामढ़ी जिले के 160 सामुदायिक स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 दिवसीय है। प्रतिभागियों का चयन संबंधित जिलों के प्रशासन द्वारा किया गया था। दोनों जिलों से 200–200 प्रतिभागियों के प्रशिक्षकों का लक्ष्य है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की विशेषता यह रही है कि राज्य एवं संभवतया देश में पहली बार 54 लड़कियों/महिलाओं ने इसमें भाग लेकर 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलता पूर्वक पूरा किया है। यह सभी महिला प्रतिभागी सीतामढ़ी जिले की थीं।

इस 12 दिवसीय प्रशिक्षण के अंतर्गत बिहार में होने वाली आपदाँ, और आपदा रिस्पांस से संबंधित विभिन्न पहलुओं, जैसे – आपदा के प्रकार और प्रभाव, आपदा प्रत्युत्तर, Early Warning System एवं इसका महत्व, Rope Rescue Technique बाढ़ बचाव तकनीक, Boat Handling Technique, तैराकी, अस्पताल पूर्व चिकित्सा तकनीक आदि के बारे में प्रतिभागियों को बताया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन सभी प्रशिक्षुओं की परीक्षा ली गयी जिसमें सभी अव्वल आए। तत्पश्चात् सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र एवं प्रशिक्षण किट प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में कुछ प्रतिभागियों, प्रशिक्षण देने वालों NDRF के SUB INSPECTOR तथा COMMANDANT श्री सिन्हा से की गई बातचीत।

आपदा रेस्पांस से सम्बंधित यह मेरा पहला प्रशिक्षण था। 04 फरवरी से 16 फरवरी 2019 तक सामुदायिक स्वयंसेवकों के लिए चलाये गये प्रशिक्षण के दौरान 9 बटालियन एन0डी0आर0एफ0 के प्रशिक्षकों के द्वारा सिखाये गये बाढ़–बचाव तकनीक, अस्पताल–पूर्व चिकित्सा तकनीक, रस्सी के सहारे पुलिया बनाना आदि काफी लाभप्रद लगा तथा भविश्य में आपदा के समय समाज के लोगों को मदद करने में काफी सहायक होगा। इस प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आपदा रेस्पांस के क्षेत्र में हम महिलाओं की भागीदारी बढी है। इस तकनीक के बारे में मैं अपने आस पास के लोगों को भी जानकारी देने का भरसक प्रयास करूँगी। मेरा निवास स्थल बाढ प्रभावित क्षेत्र है। मैं एक तैराक हूँ। एन0डी0आर0एफ0 के प्रशिक्षकों के द्वारा हमें बाढ–बचाव तथा स्थानीय समानों की मदद से इम्प्रोवाइज्डराट बनाने की विधी सिखाया गयाहै। इस प्रशिक्षण के बाद मुझे पूरा विष्वास है कि बाढ अथवा अन्य आपदाओं में लोगों की मैं हरसम्भव मदद कर सकती हूँ।

श्रीमती माला झा

उम्र–34 वर्ष
शिक्षा–स्नातक
पति–स्वर्गीय आश कुमार झा
निवासी – नारंगा
प्रखण्ड – परिहार
जिला – सीतामढ़ी (बिहार)

आपदा रेस्पांस से संबंधित यह मेरा पहला प्रशिक्षण था। इस कोर्स में सिखाए गए जीवनरक्षक तकनीककाफी उपयोगी है और आपदा के समय लोगों को बचाने में काफी मददगार होंगे। इस प्रकार के प्रशिक्षण हम लडकियों एवं महिलाओ के लिए बहुत एवं ही जरूरी है जिससे की आपदा में हम अपनी रक्षा कर सके तथा परिवार व समाज के अन्य लोगों को भी मदद कर सके। 04 फरवरी से 16 फरवरी 2019 तक सामुदायिक स्वयंसेवकों (महिलाओ) के लिए चलाये गये प्रशिक्षण के दौरान 9 बटालियन एन0डी0आर0एफ0 द्वारा हमें काफी सरल तरीके से हरेक विशय की जानकारी दी गई। लेक्चर, डेमो तथा अभ्यास के माध्यम से हमें जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी दी गई जो कि काफी लाभप्रद रहा।

सोनाली कुमारी

उम्र–21 वर्ष
शिक्षा – 102
पिता – श्रीभुनेश्वर साहनी
निवासी –परिहार
प्रखण्ड – परिहार
जिला – सीतामढ़ी (बिहार)

आपदा रेस्पांस से सम्बंधित यह मेरा पहला प्रशिक्षण था। हम सभी को आपदा के समय लोगों की हर सम्भव मदद करनी चाहिए। 04 फरवरी से 16 फरवरी 2019 तक 9 बटालियन एन0डी0आर0एफ0 हेड क्वार्टर बिहटा (पटना) में चलाए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिखाए गये बाढ–बचाव तकनीक, अस्पताल–पूर्व चिकित्सा तकनीक, अर्लीवार्निंग अलर्ट व इसका महत्व, रस्सी के सहारे पुलिया बनाना आदि काफी ज्ञानवर्धक लगा। इन विशयों की जानकारी 9 बटालियन एन0डी0आर0एफ0 के प्रशिक्षण टीम द्वारा हमें काफी सरल व सहज तरीके से दी गई। इस प्रकार का प्रशिक्षण भविष्य में आपदा के समय लोगों के बहुमूल्य जीवन को बचाने में बहुत ही मददगार साबित होगा। इस तकनीक के बारे में मैं अपने आसपास के लोगों खासकर लडकियों तथा महिलाओं को भी जानकारी देने का भरसक प्रयास करूँगी।

आरती कुमारी

उम्र – 19 वर्ष

शिक्षा – 102

पिता – श्रीगणे राम

निवासी – लालपुर

प्रखण्ड – रून्नीसैदपुर

जिला – सीतामढ़ी (बिहार)

04 फरवरी से 16 फरवरी 2019 तक सामुदायिक स्वयंसेवकों के लिए आपदा रेस्पांस पर अयोजित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मैं प्रशिक्षण टीम के साथ रहा। प्रशिक्षण के दौरान सीतामढी जिला से आयीं. महिला प्रतिभागियों ने काफी बढ–चढकर तथा उत्साह के साथ भागीदारी की। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपदा रेस्पांस के विभिन्न पहलुओं को काफी सरल व सहज तरीके से सिखाने का प्रयास किया गया है उन्हें लेक्चर, डेमो तथा अभ्यास के माध्यम से बचाव एवं जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारियां दी गई. यह प्रशिक्षण सामुदायिक क्षमता निर्माण में मददगार होगा।

मालीक कुमार

उपनिरीक्षक

9 बटालियन एन0डी0आर0एफ0

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन0डी0एम0ए0) के निर्देशानुसार तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बी0एस0डी0एम0ए0) के समन्वय से सामुदायिक स्वयंसेवकों के कुल 16 बैचों अर्थात 400 प्रतिभागियों का 12 दिवसीय प्रशिक्षण 9 बटालियन एन0डी0आर0एफ0 के प्रशिक्षण टीम द्वारा एनडीआरएफ परिसर बिहटा (पटना) में चलाया जा रहा है। 16 फरवरी 2019 तक बिहार के सीतामढी व सुपौल जिले के 360 सामुदायिक स्वयंसेवकों को आपदा रेस्पॉस के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जा चुकाहै।

04 फरवरी से 16 फरवरी 2019 तक चलाए गये प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीतामढी जिला के कुल 54 महिला प्रतिभागियों ने भाग ली। आपदा रेस्पॉस पर आधारित महिलाओं के लिए इस प्रकार का यह पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपदा रिस्पांस से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं जैसे–आपदा, आपदा के प्रकार एवं प्रभाव, अर्लीवार्निंग सिस्टम एवं इस का महत्व, बाढ़–बचाव तकनीक, रस्सी की मदद से पुल बनाना, खोज व बचाव तकनीक, मोटर बोट हैं डलिंग, अस्पताल पूर्व चिकित्सा तकनीक, स्थानीय समानों के मदद से इम्प्रोवाइज्डराट बनाने की विधी आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई तथा इसका अभ्यास भी उन से कराया गया। प्रषिक्षण के दौरान प्रतिभागियों के जानकारी के स्तर को ध्यान में रखते हुए हमारे प्रशिक्षकों द्वारा काफी सरल एवं

श्री विजय सिन्हा
कमांडेंट, 9 बटालियन
एन0डी0आर0एफ0

व्यवसायिक तरीके से उन्हें आपदा रेस्पांस से सम्बंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। समय–समय पर प्रतिभागियों से फीड बैक भी लिया गया। प्रशिक्षण के दौरान इन महिला प्रतिभागियों ने काफी उत्साह के साथ भागीदारी की जो कि अत्यन्त ही प्रशंसनीय है। वर्तमान परिवेष में आपदा से जान माल का नुकसान न हो, इसके लिए जरूरी है कि आपदा प्रबंधन तथा रेस्पॉस मैकेनिज्म की जानकारी हमारे समुदाय के प्रत्येक लोगों को हो। आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में इस प्रकार के प्रशिक्षण काफी मददगार साबित होगा।

जलवायु परिवर्तन की रोकथाम हेतु कार्बन फुटप्रिंट कम करने के सुझाव

Special Story

ग्लोबल वार्मिंग के कारण जलवायु परिवर्तन की बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो गयी है। जिसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए विश्वभर के वैज्ञानिक, राजनिति, प्रबंधक इत्यादि सी0ओ0पी0–24 के तहत वार्षिक सम्मेलन में पोलैंड में 2–14, दिसम्बर, 2018 तक इससे बचने के उपायों पर विचार किया है।

विदित है कि इस समस्या के कारण आपदाओं में वृद्धि होगी और व्यापक तौर पर पूरे विश्व में खाद्यान की कमी, गैलेश्यिर पिघलने से समुद्र तल में वृद्धि, विभिन्न संक्रामक बिमारियों का प्रकोप, जैवविधिता में कमी, तटिये इलाकों का जलमग्न होना इत्यादि विकट समस्या उत्पन्न हो गयी है। एक अनुमान के अनुसार विश्व का सतहीय तापमान तेजी से बढ़ रहा है और 2050 तक इसमें 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है, जिसके काफी खतरनाक परिणाम होने वाले है, अगर हमने समय रहते ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन पर लगाम नहीं लगायी, जिसमें सबसे ज्यादा कार्बन डाई ऑक्साइट के बढ़ते स्तर को नियंत्रित करना है।

यू0एन0ई0पी0 के द्वारा वातावरण को ग्रीनहाउस गैसों के बचाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम किये जा रहे है। कियोटो प्रोटोकॉल के 2012 में समाप्ति के बाद आकलन करने पर यह पता चला कि दुनिया के विभिन्न देशों के द्वारा ग्रीनहाउस गैसेज के उत्सर्जन में कमी लाने के लिए किये गयें प्रयास अपने लक्ष्य प्राप्ति से चुक गये है। 29 Quarterly Newslatter January 2019 अतएव इस दिशा में किये गये अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के अलावा प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक करने की जरूरत

महसूस की जा रही है, जिससे कार्बन फुटप्रिंट छोटा किया जा सके। इसलिए आम नागरिक को यह चाहिए कि वे निम्नांकित छोटे–छोटे कदम उठाये, जिससे ग्लोबल वार्मिंग से होने वाले खतरे से निपटने के समाकेतिक रूप से प्रयास किया जा सके।

1. रेडियूश (Reduce), रियूज (Reuse) और रिसाईकल (Recycle)
2. ए.सी., फ्रीज गीजर इत्यादि का नियंत्रित उपयोग
3. जीवाश्म ऊर्जा स्त्रोतों का कम प्रयोग जैसे– पेट्रोल, डीजल, केरोसिन इत्यादि
4. कागज का कम प्रयोग तथा डिजिटल तकनीक को बढ़ावा
5. ज्यादा स्टार वाले ए.सी., फ्रिज, गीजर, हिटर इत्यादि उपकरणों का प्रयोग
6. गैर पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोतों का उपयोग जैसे– सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि
7. विभिन्न कार्यों में ऊर्जा एवं जल संरक्षण
8. जल एवं वायु के प्रदूषण पर नियंत्रण
9. वनों के कटाव पर नियंत्रण एवं वनों का संरक्षण
10. रोजमर्रा के कार्यों में ग्रीन तकनीक का उपयोग
11. एल.ई.डी. ब्लब, टी.वी. इत्यादि का व्यापक प्रयोग
12. विद्युत उपकरणों का इस्तेमाल उपरांत, स्विच ऑफ करना

लेखक,

दिलीप कुमार

एमएससी, यू.जी.सी./सी.एस.आई.आर.–जे.आर.एफ. एवं नेट बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना।

प्राधिकरण की गतिविधियां : एक झलक

राजमिस्त्रियों का क्षमतावर्द्धन कोर्स

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण।

(1) फरवरी 2019 तक कुल **5058 राजमिस्त्रियों** को एवं **1403 असैनिक अभियंताओं** को प्रशिक्षित किया गया।

(2) दिनांक 13 से 15 मार्च 2019 को राजमिस्त्रियों के भावी प्रशिक्षक तैयार करने के लिए तीन दिवसीय **क्षमतावर्द्धन कोर्स** सम्पादित किया गया। इस कार्यक्रम में **30** प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

(3) दिनांक 28 से 29 मार्च 2019 को राजमिस्त्रियों के भावी प्रशिक्षक तैयार करने के लिए दो दिवसीय Refresher Course सम्पादित किया गया। इस कार्यक्रम में **28** प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

इस प्रकार मार्च 2019 तक राजमिस्त्रियों एवं असैनिक अभियंताओं के प्रशिक्षण का आँकड़ा अपरिवर्तित रहा है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम

प्राधिकरण द्वारा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार, संकल्प ज्योति एवं जनवादी सांस्कृतिक मोर्चा (प्रेरणा) संस्थाओं के सहयोग से कार्यशाला, नुक्कड़ नाटक एवं मानव श्रृंखला के माध्यम से सड़क सुरक्षा के संबंध में पटना के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं समुदाय के बीच जागरूकता एवं संवेदीकरण का कार्य किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान आयोजित की गयी गतिविधियों का विवरण निम्न है :–

तिथि	सड़क सुरक्षा विषय पर पर जागरूकता कार्यशाला नुक्कड़ नाटक एवं मानव श्रृंखला	प्रतिभागियों की संख्या (Approx)
23.02.2019	संत माईकल स्कूल, दीघा, पटना।	267
27.02.2019	अरबिंद महिला कॉलेज, नाला रोड, पटना।	214
05.03.2019	ए0 एन0 कॉलेज, बोरिंग रोड, पटना।	204
06.03.2019	लोहिया नगर माउंट कॉर्मेल हाईस्कूल, पटना।	246
08.03.2019	डॉ0 जाकिर हुसैन इंस्टीट्यूट, पटना।	132
09.03.2019	कॉलेज ऑफ कॉमर्स, राजेन्द्रनगर, पटना।	187
11.03.2019	टी0 पी0 एस0 कॉलेज, चिरैयांटांड, पटना।	134
13.03.2019	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मीठापुर, पटना।	151
14.03.2019	गंगा देवी महिला महाविद्यालय, कंकड़बाग, पटना।	112
15.03.2019	मगध महिला महाविद्यालय, गाँधी मैदान, पटना।	153
16.03.2019	चाणक्या नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, मीठापुर, पटना।	127
27.03.2019	कार्मिक प्रबंधन और औद्योगिक संबंध विभाग, दरभंगा हाउस, पटना विश्वविद्यालय, अशोक राजपथ, पटना।	125
29.03.2019	आर्केड बिजनेस कॉलेज, नाला रोड, पटना।	134
29.03.2019	सड़क सुरक्षा विषय पर मानव श्रृंखला (रोड शो), गाँधी मैदान, पटना।	177
30.03.2019	आर्ट एण्ड क्रॉफ्ट कॉलेज, विद्यापति मार्ग, पटना।	114
	कुल	2477

(C) "Communication during crisis and Resilient Communication: Roal of Telecom Service Providers" विषय पर

प्राधिकरण कार्यालय में दिनांक 06.03.2019 को "Communication during Crisis and Resilient Communication : Role of Telecom Service Providers" विषय पर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बिहार एल० एस० ए०, बी० एस० एन० एल०, वोडाफोन, रिलांयस, एयरटेल एवं टी० टी० एल० एल० सहित सभी संबंधित विभाग जैसे आपदा प्रबंधन विभाग,ग्रामीण कार्य विभाग, जल संसाधन विभाग, केंद्रीय जल आयोग, बिहार पुलिस, एन० डी० आर० एफ०, एस० डी० आर० एफ०, नागरिक सुरक्षा, एयरपोर्ट प्राधिकरण एवं भारतीय मौसम विभाग आदि के पदाधिकारियों/प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक में परिचर्चा के दौरान यह पाया गया कि आपदाओं में प्रत्युत्तर (response) हेतु दूरसंचार विभाग(DOT) के द्वारा मानक संचालक प्रक्रिया बनाई गई है। इसके अनुसार कार्रवाई होने से आपातकाल के दौरान संवाद कायम रखने में तथा आपातकाल के पहले तैयारी रखने में बहुत सहायता मिलेगी। SOP में license service area को आपातकाल योजना बनाने से लेकर सेवा प्रदाताओं के साथ समन्वय रखने की पूरी जिम्मेदारी दी गई है इसलिए बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया कि Bihar license service area इस SOP को मूल रूप में लागू कराये। इस कार्य हेतु संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों की सदस्यता में एक समिति का गठन किया जिसका संयोजक श्री शंकर प्रसाद, निदेशक, प्रौद्योगिकी, बिहार एल० एस० ए०, टेलीफोन भवन, पटना को बनाया गया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि निदेशक, प्रोद्योगिकी, बिहार एल० एस० ए० के समन्वयन में प्रति 6 महीने में दूरभाष सेवा प्रदाताओं द्वारा नियोजित गतिविधियों की समीक्षा की जाये जिससे दूरभाष सेवाओं से संबंधित तंत्र में सक्रियता सुनिश्चित हो सके।

(D) आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर पंचायत प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम :

<u>राज्य स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा जिलों में प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण</u>

पंचायती राज संस्थानों के जन प्रतिनिधियों के प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण हेतु प्राधिकरण द्वारा जिलों को आवश्यक वित्तीय सहयोग दिया गया है। सभी जिलों में प्रखंड स्तर पर पंचायत प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किए जाने की सूचना प्राप्त है:–

1. मधुबनी 2. मधेपुरा 3. दरभंगा 4. पूर्वी चम्पारण 5. सुपौल 6. पटना 7. सारण 8. सहरसा 9. सीतामढ़ी, 10. शिवहर 11. किशनगंज 12. नालंदा 13. सिवान 14. समस्तीपुर 15. मुजफ्फरपुर 16. वैशाली 17. बांका 18. जहानाबाद 19. कटिहार 20. पश्चिमी चम्पारण 21. बक्सर 22. अररिया 23. औरंगाबाद 24. अरवल 25. नवादा 26. खगड़िया 27. शेखपुरा 28. कैमूर 29. भागलपुर 30. बेगूसराय 31. पूर्णिया 32. रोहतास 33. जमुई 34. मुंगेर 35. गोपालगंज 36. भोजपुर 37. लखीसराय 38. गया।

उपर्युक्त जिलों से प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों के आँकड़े विहित प्रपत्र में प्राधिकरण को भेजने हेतु अनुरोध किया गया है एवं उन सभी जिलों से यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों का डाटा बेस तैयार कर जिला के वेबसाईट पर अपलोड किया जाय। अभी तक मात्र मधुबनी, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सारण, जहानाबाद, पूर्वी चम्पारण, सुपौल, बांका, समस्तीपुर एवं सिवान जिले से विहित प्रपत्र में प्रशिक्षण का ऑकड़ा प्राप्त हुआ है।

इन 10 जिलों से प्राप्त प्रशिक्षित पंचायत प्रतिनिधियों की संख्या निम्नवत् है:–

क्र0सं0	जिला का नाम	जिला परिषद सदस्य (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	पंचायत समिति सदस्य (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	मुखिया (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	सरपंच (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	वार्ड सदस्य (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	पंच (प्रखण्ड क्षेत्र में प्रशिक्षितों की सं0)	कुल प्रशिक्षितों की सं0
1	मधुबनी	56	539	371	378	5149	5127	11620
2	मुजफ्फरपुर	25	288	263	207	1627	1291	3701
3	शिवहर	1	48	30	35	558	540	1212
4	सारण	6	294	273	239	3897	3139	7848
5	जहानाबाद	4	87	78	85	968	927	2149
6	पूर्वी चम्पारण	10	271	236	262	3234	2553	6566
7	सुपौल	15	198	146	145	1766	1631	3901
8.	बांका	13	161	117	152	1987	1912	4342
9.	समस्तीपुर	10	277	269	584	3259	3528	7927
10.	सिवान	10	272	236	253	3169	2965	6905
	कुल	**150**	**2435**	**2019**	**2340**	**25614**	**23613**	**56171**

शेष जिलों से भी ऑकड़ों की मांग की गयी है।

(E) 'Management of Animals in Emergencies' विषय पर बिहार पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के पशु चिकित्सकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण।

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहाँ सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती है। यह राज्य जहाँ एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर एवं लू इत्यादि आपदओं से भी इस राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है। इन आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते है और आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशु संसाधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि की आपदाओं को घटित होने से रोका तो नही जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशु चिकित्सकों का कौशल विकास कर तथा आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा का समुचित प्रबंधन किया जा सकता है।

उपर्युक्त वस्तुस्थिति के मद्देनजर "आपात स्थिति में पशु प्रबंधन" (Management of Animals in Emergencies) विषय पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार के पशु चिकित्सकों के चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं बिहार भेटनरी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में तथा World Animal Protection (WAP) और Policy Perspectives Foundation (PPF) के सहयोग से दिनांक 04 जून, 2018 से आरम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि बहु–आपदाओं की स्थिति में आपदा के पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद में किस तरह से पशुओं की सुरक्षा एवं प्रबंधन किया जाय। मार्च माह तक कुल 23 बैचों का प्रशिक्षण निम्नानुसार आयोजित किया गया है:–

बैच संख्या	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
1	4–7 जून, 2018	35
2	15–18 जून, 2018	35
3	20–23 जून, 2018	35
4	27–30 जून, 2018	35
5	11–14 जुलाई, 2018	35
6	16–19 जुलाई, 2018	35
7	23–26 जुलाई, 2018	35
8	28–31 जुलाई, 2018	35
9	17–20 सितम्बर, 2018	34
10	26–29 सितम्बर, 2018	35
11	3–6 अक्टूबर, 2018	34
12	7–10 अक्टूबर, 2018	30
13	11–14 अक्टूबर, 2018	35
14	2–5 जनवरी, 2019	34
15	7–10 जनवरी, 2019	35
16	16–19 जनवरी, 2019	35
17	21–24 जनवरी, 2019	35
18	28–31 जनवरी, 2019	35
19	4–7 फरवरी, 2019	35
20	20–23 फरवरी, 2019	35
21	25–28 फरवरी, 2019	35
22	5–8 मार्च, 2019	33
23	11–14 मार्च, 2019	31
	कुल	**791**

इस प्रकार माह में 2019 तक कुल 791 पशु चिकित्सकों को प्रशिक्षित किया गया है।

(F) भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल

बिहार सरकार द्वारा वर्ष, 2012 में जारी संकल्प के क्रम में 15–21 जनवरी तक भूकंप सुरक्षा सप्ताह का आयोजन पूरे राज्य में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से किया गया। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए पटना के विभिन्न कार्यालयों/अस्पतालों/अपार्टमेंट/मॉल आदि में भूकंप सुरक्षा मॉकड्रिल के आयोजन के निर्णय के अंतर्गत फ्रेजर रोड, पटना स्थित सेंट्रल मॉल में भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत दिनांक 26.03.2019 को D-1 दिनांक 27.03.2019 को D-2 एवं दिनांक 28.03.2019 को फाईनल मॉकड्रिल एन0डी0आर0एफ0 एवं विभिन्न हितभागियों जैसे:– एस0डी0आर0एफ0, पटना ट्रैफिक पुलिस, बिहार अग्निशाम सेवाएं, बिहार गृह रक्षा वाहिनी, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं रूबन हॉस्पीटल के सहयोग से किया गया। जिसमें करीब 400 दुकानदारों तथा आम नागरिकों ने हिस्सा लिया। इस मॉकड्रिल में घायलों को ढूंढने में केनाईन डॉग की मदद ली गयी।

(G) 'Sustainable Reducation in Disaster Risk (SRDR)" कार्यक्रम

NDMA, नई दिल्ली द्वारा संपोषित एवं बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा दो जिलों के माध्यम से संचालित "Sustainable Reduction in Disaster Risk (SRDR)" परियोजना के तहत यह कार्यक्रम बिहार राज्य के समस्तीपुर एवं खगड़िया, दो जिलों में चलाया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया तथा खगड़िया के सभी ब्लॉक में आपदा रिस्पांस हेतु कमिटि का गठन किया गया है। खतरनाक नदियों और सड़क क्षेत्र को चिन्हित कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

जिला खगड़िया एवं समस्तीपुर में ग्रामीण स्तर पर लोगों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर योजना बनाकर विभिन्न आपदाओं और भीषण गर्मी (Heat wave) से बचने की जानकारी दी गयी एवं ग्रीष्म ऋतु में लू एवं अगलगी से बचाव के लिए विस्तृत कार्य योजना का निर्माण किया जा रहा है।

खगड़िया जिला के अंतर्गत व्यापक पैमाने पर जन–जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया जिसके अंतर्गत रैली निकाली गयी एवं आपदाओं पर सुरक्षा संबंधी पोस्टर एवं होर्डिंग लगवाये गये तथा समस्तीपुर जिले में पंचायत स्तरीय मॉकड्रिल का आयोजन किया गया है।

(H) जिला आपदा प्रबंधन योजना

जिला आपदा प्रबंधन अधिनियम के धरा 31 के तहत सभी जिलों की जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जिला आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण किया जाना है। इस कार्य हेतु जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों को सहयोग देने के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा 09 विशेषज्ञ Agencies को लगाया गया है। कुल 38 जिलों में से 23 जिलों की आपदा प्रबंधन योजनाएँ तैयार कर एजेन्सियों ने जिलों को भेज दी है, जिनमें से 10 योजनाएँ संबंधित जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों द्वारा जिला स्तर पर विचार–विमर्श कर आवश्यक सुधार करते हुए अपनी अनुशंसा सहित अनुमोदन (Approval) के लिए राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को समर्पित कर दी गयी है। प्राधिकरण द्वारा इनमें से तीन जिलों–सुपौल, कैमूर एवं वैशाली, की जिला आपदा प्रबंधन योजनाएँ पूर्ण विचारोंपरांत आवश्यक संशोधन के साथ प्राधिकरण के अध्यक्ष–सह–मुख्यमंत्री जी को उनके अनुमोदनार्थ, मुख्य सचिव के माध्यम से भेजी जा चुकी है।

(I) सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के लिये तैयार की गई प्रशिक्षण मॉड्यूल के प्रस्तुतीकरण हेतु बैठक :–

सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण एवं समुदाय स्तर पर 06–18 वर्ष बालक/बालिकाओं के प्रशिक्षण हेतु NINI,SDRF,UNICEF एवं NDRF के सहयोग से तैयार किए गए प्रशिक्षण माड्यूल का अवलोकन करके इसमें प्रशिक्षण की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुये तैराकी सिखाने के तरीकों के अतिरिक्त सहायता एवं बचाव के तरीकों, प्राथमिक उपचार और देखभाल, बंशी–जाल एवं झग्गड़/काँटा से डूबते हुए व्यक्ति/ सामग्रियों की तलाश, बाल सुरक्षा, सर्पदंश प्रबंधन आदि विषयों के विभिन्न पहलुओं को समाहित किया गया जिसका प्रस्तुतीकरण प्राधिकरण कार्यालय में दिनांक 27.03.2019 एवं 28.03.2019 को किया गया। बैठक में दिये गये सुझावों के आलोक में प्रशिक्षण माड्यूल को अद्यतन किया गया।

2. सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंर्तगत मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण हेतु Resource Persons का उन्मुखीकरण :–

प्राधिकरण के सभाकक्ष में दिनांक 30.03.2019 को सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंर्तगत मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण हेतु NINI,SDRF एवं UNICEF **के Resource Persons** का उन्मुखीकरण हेतु बैठक आयोजित की गई। प्रशिक्षण माड्यूल के विभिन्न समाहित विषयों एवं उनसे संबंधित पहलुओं पर परिचर्चा करने के पश्चात यह निर्णय लिया गया कि प्रशिक्षण मॉड्यूल का Testing किया जाये। इस आलोक में पटना जिले के पंडारक एवं मनेर के मास्टर ट्रेनर्स का 07 दिवसीय पायलट प्रशिक्षण दिनांकः–02.04.2019 एवं 08.04.2019 तक निर्धारित किया गया।

(J) Mass Messaging/Whatsapp Advisory

मार्च माह में प्राधिकरण द्वारा "**चक्रवाती तूफान/आँधी से बचने के उपाय**" पर Mass Messaging किया गया जो निम्नांकित हैः— पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचों, वार्ड सदस्यों, सरपंचों, पंचायत समिति सदस्यों, जिला परिषद् सदस्योंः—(643122), आशा कर्मचारियों (77542), जीविका दीदी (148890), आंगनबाड़ी सेविका (45946), प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित फायर सर्विसेस (142), फौरेस्ट ऑफसर (175)।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षितः— फोकल टीचर (1542), नाविक एवं नाव मालिक (3520), मुखिया और सरपंच (968), प्रमुख (196), अभियंत्ता (827), मैसन (4992+97=5089), आपदा मित्र (150), आदि लोगों को Mass Messaging द्वारा जागरूक किया गया।

प्रशासनः— DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), DCLR (102), Commisioners (9)

मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत सुरक्षित शनिवार की Monitoring के लिए बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा हर सप्ताह वार्षिक सारणी पर आधारित Mass Messaging किया जा रहा है। Mass message के नमूने अगले पृष्ठों पर दिए गए हैं।

जनहित में जारी

चक्रवाती तूफान/आँधी से बचने के उपायः
अपने घर के मजबूत भाग के अंदर रहें।
अपने घर की चक्रवात के मौसम से पहले आवश्यकतानुसार मरम्मत करा लें।
यदि घर के बाहर हों तो आँधी तूफान के समय पेड़ों और बिजली के खम्भों से दूर रहें तथा पक्के मकानों में शरण लें।
टूटे बिजली के तारों से सावधान रहें।
चक्रवात/आँधी की गति एवं मार्गों की जानकारी रेडियो व टीवी से प्राप्त करते रहें।

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत मार्च में भेजे गये मैसेज

प्रथम शनिवार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अंतर्गत इस शनिवार दिनांकः–02.03.2019 को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना एवं अंतिम सत्र में बच्चों में अगलगी से खतरे एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी दिया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है। निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–181 शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

दूसरा शनिवार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रमः–

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अनतर्गत इस शनिवार (09.03.2019) को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना एवं अंतिम सत्र में बच्चों को चक्रवाती तूफान/आँधी से खतरें एवं इससे बचाव के उपाय के बारे में सावधानी के संदर्भ में जानकारी दिया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।
मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–181
शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

तीसरे शनिवार

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम–सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार को (16.03.2019) को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना एवं सत्र में बच्चों को डायरिया के संबंध में जानकारी तथा ओ. आर. एस. बनाने से संबंधित कौशल प्रशिक्षण एवं अभ्यास के संदर्भ में जानकारी दिया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।
आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।
मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–196
शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255 .

चौथे शनिवार

पाचवां शनिवार

मुख्यमंत्री विद्यालयों सुरक्षा कार्यक्रम सुरक्षित शनिवार के अन्तर्गत इस शनिवार (30.03.2019) को बिहार के सभी विद्यालयों के चेतना एवं अंतिम सत्र में बच्चों को स्वच्छता के संबंध में जानकारी एवं उसका अभ्यास कराया जाना है।

कृपया अपने क्षेत्रान्तर्गत विद्यालयों में देखें कि इस शनिवार को संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

आपका थोड़ा–सा सहयोग बच्चों को आपदाओं से सुरक्षित रखने हेतु मूल्यवान है।

निम्नलिखित नम्बर पर मैसेज भेजे गयेः– मुखिया सरपंच, प्रमुख (बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)–196 शिक्षितः–(बिहार राज्य आपदा प्रबंधन द्वारा प्रशिक्षित)– 1,542, DPO- 80
DM(38).ADM(38),BDO(534),CO(534),DCLR(102),Commisioners(9).
1,255

सजवा | नक्सलियों के साथ-साथ अब प्राकृतिक आपदाओं से भी लोहा लेंगे एसएसबी के जवा

35 जवानों की टीम तैयार, आपदा आधारित दिखाए हैरतअंगेज प्रदर्शन

जवानों दिखाया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बिहार-झारखंड के 18 जिलों में है एसएसबी की तैनाती

आपदा प्रबंधन का कारगर मैकेनिज्म विकसित नहीं

आपदा के समय तैनात रहेंगे अफसर, गठित की गई टीम

आपदा प्रबंधन के लिए रिसोर्स मैपिंग का करें प्रयोग : स

जिले के प्रभारी सचिव अतीश चन्द्र ने आपदा प्रबंधन के लिए रिसोर्स मैपिंग पर विशेष जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि जिले के वैसे संसाधन जिनका आपदा की स्थिति में इस्तेमाल किया जा सकता है, उसकी सही तरीके से मैपिंग करा लिया जाए। श्री चन्द्र ने आपदा प्रबंधन विभाग का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि

रेडक्रास स्थापना दिवस | उत्कृष्ट योगदान देने वाले सोसाइटी के पदाधिकारी व कर्मियों को डीएम ने किया सम्मानि

आपदा में मानवता को बचाने आगे आ

100 यूथ वलब के स को दी जानकारी

बारिश से भारी तबाही, पांच की मौत

दर्जनों मकान और पुल हुए धराशायी, सड़कें बंद, गंगा सहित पहाड़ में तमाम नदियों में उफान, तटवर्ती बस्तियों पर खतरा

कुमाऊं में भी बरसी आफत, मजदूर की मौत

केदारनाथ यात्रा रुकी

निर्माण में इंजीनियरिंग से ही कम होंगे भूकंप के

15 गांवों को दिए आपदा प्रबंधन के किट

धराली। करुणा समाज सेवा संस्था कोटद्वार, सेक्रेडहार्ट स्कूल नगरासू और कारितास इंडिया की ओर से 15 गांवों के ग्रामीणों को ईको डीआर योजना के तहत आपदा के किट बांटे गए।

कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी डीडी डनियाल ने कहा कि आपदा के समय इन किटों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। क्षेत्र पंचायत प्रमुख राकेश जोशी ने कहा कि आपदा के प्रभाव को करने के लिए सावधानियों अपनाने की जरूरत है। संस्था उप निदेशक फादर अजो ने कि आपदा से प्रभावित लोगों मदद करना संस्था का लक्ष्य संस्था की ओर से आपदा निपटने के लिए विभिन्न प्रशि दिए जा रहे हैं।

इस अवसर पर परियो समन्वयक सिरियक, मोरि

आपदा का कारण प्रकृति से छेड़छाड़ : राज्यपाल

मास्टर ट्रेनर प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों को बाढ़, अगलगी, भूकंप व वज्रपात से निपटने के बारे में दे

हर प्रखंड के 4 शिक्षक सीख रहे आपदा प्रबंधन के

खतरा | आपदा प्रबंधन टीम ने चांदन नदी के तटबंध का जायजा लेकर चिह्नित किए डेंजर प्वाइंट

40 किमी लंबे तटबंध में मिलीं कई दरारें, समय रहते मरम्मत की चुनौती

5 साल पहले 30 करोड़ की लागत से हुआ था चांदन नदी के तटबंध का निर्माण

सीएम ने दिया निर्देश

बाढ़ के पहले आपदा से बचाव की पुख्ता तैयारी करे प्रशासन

पटना से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सीएम की अध्यक्षता में बाढ़ आपदा की समीक्षा बैठक हुई। कांफ्रेंसिंग के लिए आरा में भोजपुर जिले के अधिकारी मौजूद थे। सीएम ने जिला

शरणस्थली के आसपास ब्लीचिंग पाउडर का छिड़का गर्भवती महिलाओं एवं नवजा शिशुओं के नियमित टीकाकरण विशेष ध्यान दें। बाढ़ प्रभावित के लिए मेडिकल टीम के भ्रमण कार्यक्रम तथा पर्याप्त

अधिक दूर तैरने की में कूदे तीन दोस्त, तीन

आपदा विभाग की समीक्षा में डीएम ने कहा- कमजोर लोगों की सूची तैयार रखें

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार